mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-132 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़ 14 मई 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

तमिलनाडु में विजय सरकार को 122 विधायकों का समर्थन

बहुमत से 4 ज्यादा; फ्लोर टेस्ट में कांग्रेस, लेफ्ट समेत 5 पार्टियों का सपोर्ट मिला

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा में आज सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कड़गम (TVK) सरकार का फ्लोर टेस्ट चल रहा है। सीएम विजय की पार्टी को VCK, CPI (M), IUML और कांग्रेस ने समर्थन दिया है। इसके अलावा AMMK से निष्कासित पार्टी के इकलौते विधायक एस. कामराज ने भी विजय के सपोर्ट में आ गए हैं।

अब TVK के पास 122 विधायक हो गए हैं। यह 118 के बहुमत से 4 ज्यादा है। 234 सदस्यों की विधानसभा में TVK के पास 107 विधायक हैं। विजय दो सीटों से चुनाव जीते थे, उन्होंने एक सीट से इस्तीफा दे दिया है।

एक दिन पहले खबर आई थी कि AIADMK के 30 विधायकों का एक गुट विजय को समर्थन दे सकता है। इसके बाद AIADMK ने पार्टी के सभी 47 विधायकों के लिए व्हिप जारी किया है। इसमें कहा गया कि फ्लोर टेस्ट में TVK के खिलाफ वोट दें। जो विधायक पार्टी के निर्देश के खिलाफ काम करेंगे, उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

दरअसल AIADMK के दो गुटों में बंटने की चर्चा है। एक गुट पलानीस्वामी का है, दूसरा सीवी षणमुगम का। वहीं, AIADMK के एक नेता ने कहा कि सभी फैसले पलानीस्वामी ही लेंगे। सभी विधायक हमारे साथ ही रहेंगे। बहुमत हमारे पक्ष में है। चिंता की कोई बात नहीं है।

विजय ने ज्योतिषी को स्पेशल ड्यूटी ऑफिसर पद से हटाया

इन्होंने ही सीएम बनने की भविष्यवाणी की थी, शपथ का समय भी बदलवाया था

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु में फ्लोर टेस्ट पास करने के कुछ घंटे बाद ही सीएम विजय ने ज्योतिषी राधन पंडित को अपने स्पेशल ड्यूटी ऑफिसर (OSD) के पद से हटा दिया। विजय ने मंगलवार को राधन को अपना OSD बनाया था। जिसपर विपक्ष के साथ-साथ सहयोगी दलों ने भी सवाल उठाए थे। अब उन्होंने फैसला वापस ले लिया। राधन लंबे समय से विजय के करीबी रहे हैं। उन्होंने ही विजय के सीएम बनने की भविष्यवाणी की थी। साथ ही उनकी शपथ का समय भी बदलवाया था। वे ज्योतिषी होने के साथ टीवीके के प्रवक्ता भी थे। 4 मई को वोटों की गिनती के दौरान राधन विजय से मिलने वाले पहले व्यक्ति थे।

एन. रंगासामी 5वीं बार पुडुचेरी के सीएम

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन शपथ में मौजूद रहे

तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी,एजेंसी। एन. रंगासामी 5वीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री बने हैं। उप-राज्यपाल कैलाश नाथन ने लोक भवन में उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहे। रंगासामी के अलावा भाजपा के ए नमस्सिवायम और AINRC नेता मल्लादी कृष्णा राव ने मंत्री पद की शपथ ली। नमस्सिवायम 2021 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। पिछली पुडुचेरी सरकार में वे गृह मंत्री थे।4 मई को आए पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के परिणामों में रंगासामी के नेतृत्व वाले NDA गठबंधन को 30 में से 16 सीटें मिली थी।

पेट्रोलियम मंत्री बोले-भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल

45 दिन का एलपीजी स्टॉक है; पीएम की बातों का मनगढ़ंत मतलब न निकालें

नई दिल्ली,एजेंसी। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल, 60 दिन की LNG और 45 दिन की LPG का स्टॉक है। सप्लाई के मामले में कोई दिक्कत नहीं है।

हरदीप पुरी ने दिल्ली में आयोजित CII एनुअल बिजनेस समिट में पीएम की बचत की अपील का भी जिक्र किया। पुरी ने कहा कि पीएम ने दो दिन पहले जो बातें कहीं हैं। उसको लेकर अफरा-तफरी मचाना बेकार है। पीएम की बातों को ध्यान से सुनें। उसका मनगढ़ंत मतलब न निकालें।दरअसल पीएम मोदी लगातार दो दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का उपयोग कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें। विदेशी यात्राओं से बचें।

हरदीप पुरी बोले- तेल कंपनियों को रोजाना 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान :हरदीप पुरी ने समिट में कहा कि सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा सप्लाई में आई रुकावटों को बोझ आम जनता पर पड़ने नहीं दिया है। तेल कंपनियों को हर दिन 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, तो घाटा 1,98,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने वाला है। अगर आप तिमाही के आंकड़ों को देखें तो कुल नुकसान 1 लाख करोड़ रुपए का है। ऐसे में, आप इसे कब तक इसी तरह बनाए रख सकते हैं? तेल की कीमतें कहां पहुंच गई हैं? पहले यह लगभग 64 या 65 के आसपास हुआ करती थीं। अब यह बढ़कर 115 प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई हैं।

सोना 10,000 और चांदी 18,000 महंगी

नई दिल्ली ,एजेंसी। केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी है। बुधवार को जारी इस आदेश के बाद आज यानी 13 मई को वायदा बाजार यानी MCX पर सोना 10 हजार और चांदी 18 हजार रुपए महंगी हो गई है। 10 ग्राम सोने का भाव 1.63 लाख रुपए और 1 किलो चांदी का भाव 2.97 लाख रुपए पर पहुंच गया है। सरकार का मकसद विदेशी खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है। अमेरिकी-ईरान जंग के बीच सरकार ने ये फैसला लिया है।

टैक्स बढ़ने से तस्करी बढ़ने की संभावना

वहीं, इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि टैक्स बढ़ने से तस्करी बढ़ सकती है। इससे पहले जब ड्यूटी कम की गई थी, तब स्मगलिंग में कमी आई थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के नेशनल सेक्रेटरी सुरेंद्र मेहता ने कहा कि सरकार ने करंट अकाउंट डेफिसिट (चालू खाता घाटा) को काबू में रखने के लिए यह कदम उठाया है। पहले से ही ऊंची कीमतों के बीच यह फैसला मांग को प्रभावित कर सकता है।

पीएम मोदी ने एसपीजी काफिले को आधा करने का दिया निर्देश

ईवी पर जोर; सरकारी विभागों के खर्चों पर भी चलेगी कैंची

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकारी खर्च में कटौती और मितव्ययिता को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाते हुए अपने काफिले का आकार आधिकारिक रूप से आधा करने का निर्देश दे दिया है। यह पहल न केवल सरकारी संसाधनों की बचत करेगी बल्कि मंत्रियों और अधिकारियों के लिए भी उदाहरण बनेगी।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने अपनी सुरक्षा के लिए तैनात विशेष सुरक्षा दल (SPG) को काफिले में वाहनों की संख्या 50 फीसदी तक कम करने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने काफिले में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाने की इच्छा जताई है, लेकिन नए वाहन खरीदने पर रोक लगा दी है ताकि अतिरिक्त खर्च से बचा जा सके।

एसपीजी ने इस निर्देश का पालन शुरू कर दिया है। हाल ही में प्रधानमंत्री की दिल्ली के बाहर की यात्राओं में काफिले का आकार काफी छोटा देखा गया। सुरक्षा एजेंसी यह सुनिश्चित कर रही है कि ब्लू बुक में निर्धारित सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न हो।

रविवार को हैदराबाद दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जनता से सीधे अपील की थी कि ईंधन और सोने की खपत कम की जाए। सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री द्वारा खुद यह पहल शुरू करना पूरे सरकारी तंत्र के लिए मितव्ययिता अपनाने का स्पष्ट संकेत है।

सरकारी विभागों को भी खर्च घटाने के उपाय सुझाने को कहा गया है। इस कदम से उम्मीद की जा रही है कि केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालय और विभाग भी अपने खर्चों की समीक्षा करेंगे और अनावश्यक खर्चों पर अंकुश लगाएंगे।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब सरकार आर्थिक अनुशासन और आत्मनिर्भरता पर जोर दे रही है। प्रधानमंत्री का यह कदम प्रतीकात्मक रूप से काफी मजबूत माना जा रहा है, जो कहता है कि जो हम कहते हैं, उसे पहले खुद करके दिखाते हैं।

यूपी-एमपी में सीएम और मंत्रियों के काफिले में 50 प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली,एजेंसी। विदेशी मुद्रा भंडार बचाने के लिए देशवासियों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद कई राज्यों ने पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए बड़े फैसले लिए हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार और मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों के काफ ले में 50 प्रतिशत की कटौती का आदेश दिया है। गुजरात के राज्यपाल नहीं करेंगे हवाई सफर वहीं, महाराष्ट्र में मंत्रियों या सरकारी अधिकारियों को चार्टर्ड या सरकारी विमान का उपयोग करने से पहले मुख्यमंत्री कार्यालय से लिखित मंजूरी लेनी होगी।

चांदी की चप्पल पहनती थी लेडी तांत्रिक

लड़की का अश्लील वीडियो बनाया, 1.30 करोड़ वसूले

पाप न लगे इसलिए विदेशी मंदिरों में कराते थे भंडारे

अशोकनगर,एजेंसी। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में सामने आए हाई-प्रोफाइल ब्लैकमेल गैंग ने सोशल मीडिया को हथियार बनाकर एक युवती को टारगेट किया। इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर अश्लील फोटो-वीडियो बनाया। गिरोह ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 1 करोड़ 30 लाख रुपए की वसूली की। गिरफ्तार आकाश चौहान और उसकी पत्नी आयुषी चौहान से पुलिस रिमांड में पूछताछ के दौरान कई सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, ठगी के पैसों से आरोपियों ने लग्जरी लाइफस्टाइल बनाई थी। गिरोह की मास्टरमाइंड आयुषी चांदी की चप्पल पहनती थी और चांदी का पर्स रखती थी।

'पाप न लगे' इसलिए विदेश में कराते थे भंडारे : अशोकनगर कोतवाली पुलिस के मुताबिक, आरोपी 'पाप न लगे' इसलिए देश-विदेश के मंदिरों में दान-पुण्य और भंडारे करवाते थे। पुलिस अब तक करीब 70 लाख रुपए की संपत्ति, लग्जरी सामान और नकदी जब्त कर चुकी है।

इंस्टाग्राम से शुरू हुआ जाल, फिर शुरू हुआ ब्लैकमेल : गिरफ्तार आरोपी आदित्य तोमर ने इंस्टाग्राम पर पीड़िता से दोस्ती की। युवती से शारीरिक संबंध बनाए। आर्यन सोनी के टैटू स्टूडियो में अश्लील वीडियो बनाए गए। इसके बाद अश्लील फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग शुरू की।2024 में आरोपियों ने पीड़िता से पैसे मांगना शुरू किया था। सबसे पहले 5 लाख रुपए की मांग की गई, जिनमें से पीड़िता ने 2 लाख रुपए दे दिए थे। इसके बाद अश्लील वीडियो डिलीट करने के नाम पर डेढ़ लाख रुपए और वसूले गए। बाद में खुद को पुलिस अधिकारी बताकर 10 लाख रुपए लिए गए। इसके बाद जेल भेजने की धमकी देकर 25 लाख रुपए ऐंठे गए। इस तरह अलग-अलग बहानों से कई बार रकम वसूली गई। अंत में आरोपियों ने 60 लाख रुपए की मांग की, जिसके लिए पीड़िता को अपने जेवर तक गिरवी रखने पड़े। आरोपियों ने अधिकतर रकम नकद में ली थी।

गैंग में तांत्रिक युवती और टैटू आर्टिस्ट भी शामिल

पुलिस जांच में सामने आया है कि पैसे लेने के बाद आयुषी चौहान और आकाश चौहान धार्मिक स्थलों पर जाते थे। आयुषी तंत्र क्रियाएं भी करती थी, इसी वजह से वह पश्चिम बंगाल भी गई थी। पीड़िता और मुख्य आरोपी दोनों अशोकनगर के रहने वाले हैं।

चांदी की चप्पल और पर्स, ठगी के पैसों से बनी 'लग्जरी क्वीन'

पुलिस के मुताबिक, गिरोह की मास्टरमाइंड आयुषी चौहान ठगी के पैसों से शाही अंदाज में रहती थी। पूछताछ में सामने आया कि वह चांदी की चप्पलें पहनती थी। उसके पास चांदी का पर्स भी था।आरोपियों ने लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवर खरीदे थे। पुलिस ने उनके घर से अब तक करीब 70 लाख रुपए की संपत्ति और लग्जरी सामान जब्त किया है। इससे पहले पुलिस महिंद्रा थार रॉक्स, स्कूटी और अन्य वाहन भी जब्त कर चुकी है।

नेपाल तक में कराया भंडारा, मंदिरों में बांटते थे पैसा

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि गलत तरीके से कमाए गए पैसों से उन्हें 'पाप लगने' का डर था। इसी वजह से वे जगह-जगह मंदिरों में दर्शन करने जाते थे। वहां दान-पुण्य और भंडारे करवाते थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी असम, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और नेपाल तक घूमने जाते थे। वे अपनी थार गाड़ी से धार्मिक स्थलों पर पहुंचते थे और भंडारे आयोजित करते थे। नेपाल में भी उन्होंने भंडारा कराया था।

घर से मिला लग्जरी सामान का अंबार : कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के घर से भारी मात्रा में महंगा सामान बरामद किया है।

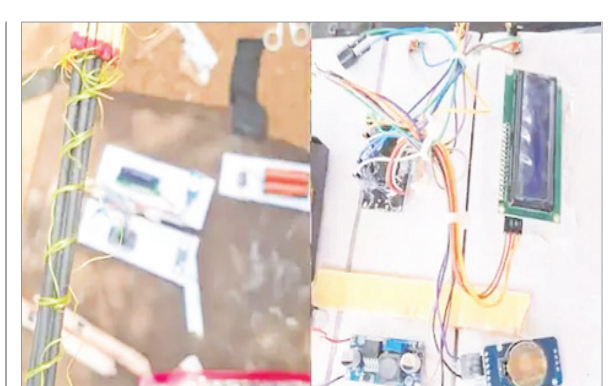

पीएम के रूट पर विस्फोटक के बाद अब टाइमर मिला

● दावा- आरोपी जोड़ नहीं पाए; 10 मई को मोदी बेंगलुरु गए थे

बेंगलुरु,एजेंसी। पीएम मोदी के 10 मई को बेंगलुरु दौरे के दौरान मिलीं जिलेटिन की छड़ों के बाद अब ऐसे अतिरिक्त सामान भी बरामद हुए हैं, जिनसे धमाका ट्रिगर किया जा सकता है।

पुलिस को तीन दिन बाद वहीं से एक इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और टाइमर मिला है। ये सामग्री एक गत्ते के डब्बे में थीं। पुलिस ने आशंका जताई कि जिन लोगों ने इसे वहां रखने की कोशिश की, वे इसे असेंबल (जोड़) नहीं पाए।

प्रधानमंत्री 10 मई को बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के 45वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। विस्फोटक सामग्री कार्यक्रम स्थल के पास कागलीपुरा इलाके के पास से बरामद की गई थी।

पुलिस को कॉल आया कि बम लगाया है, तब जांच शुरू : 10 मई को जब पीएम मोदी को बेंगलुरु में कार्यक्रम में जाना था। उसी दिन सुबह 7 बजे के करीब पुलिस को एक फोन कॉल आया।

संभाजीनगर में एआईएमआईएम नेता के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

मुख्य आरोपी निदा खान को पनाह देने का आरोप

मुंबई,एजेंसी। छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम ने बुधवार को आईएमआईएम पार्षद मतीन पटेल के घर और अन्य संपत्तियों पर बने अवैध निर्माणों को ढहा दिया। मतीन पटेल पर नासिक टीसीएस मामले की मुख्य आरोपी निदा खान को शरण देने का आरोप है। पुलिस ने सात मई को निदा खान को छत्रपति संभाजीनगर से गिरफ्तार किया था। पुलिस का दावा है कि एआईएमआईएम नेता पटेल ने उसे छिपने के लिए जगह दी थी।

कोर्ट से नही मिली राहत :नगर निगम ने 9 मई को पटेल को एक नोटिस जारी किया था। इसमें नरेगांव इलाके में उनके अवैध निर्माणों पर 72 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया था। नोटिस में यह भी कहा गया था कि अगर पटेल का जवाब नहीं मिलता है, तो निगम संपत्ति के भविष्य पर फैसला लेने के लिए स्वतंत्र होगा। मतीन पटेल ने इस मामले में रोक लगाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन उन्हें वहां से कोई राहत नहीं मिली।

राजस्थान के बाड़मेर में तापमान 48डिग्री पार

म.प्र.-हरियाणा में ओले, यूपी के बरेली में गाड़ियों पर पेड़-खंभे गिरे

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ,एजेंसी। राजस्थान में मंगलवार को रिकॉर्ड गर्मी रही। पांच जिलों में 45डिग्री से ज्यादा तापमान दर्ज किया गया। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा, यहां पारा 48.3डिग्री रहा। फलोदी में 46.4 डिग्री, जैसलमेर में 45.8डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 45.6 डिग्री और बीकानेर में 45 डिग्री तापमान रहा। मध्य प्रदेश में दो तरह का मौसम देखने को मिला। एक तरफ रतलाम लगातार तीसरे दिन राज्य का सबसे गर्म शहर रहा, यहां पारा 46.5डिग्री रहा। वहीं, निवाड़ी जिले के बीजौर में तेज आंधी और बारिश के साथ ओले गिरे। हरियाणा के पिनगवा में भी ओले गिरे। पंचकूला, यमुनानगर, करनाल और गुरुग्राम में तेज बारिश हुई। उत्तर प्रदेश के बरेली और रामपुर में 50किमी. की रफ्तार से धूलभरी आंधी चली। इससे सड़क किनारे लगे खंभे उखड़ गए। चलती गाड़ियों पर पेड़ की टहनियां टूटकर गिर गई। बिहार के जमुई और बांका में बिजली गिरने से एक बच्चा समेत 5 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के सांगली में तेज आंधी के कारण एक मंदिर की दीवार गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं, केरल के मलप्पुरम में बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई।

जम्मू-कश्मीर में जैश को पनाह देने वाला शिक्षक गिरफ्तार,एक साथी भी पकड़ाया

पुंछ में घुसपैठ की कोशिश में एक आतंकी मारा ढेर, एक घायल

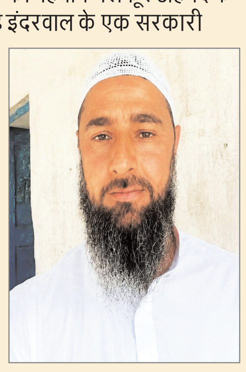

किश्तवाड़,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने सरकारी स्कूल के एक शिक्षक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को पनाह, खाना और दूसरी मदद देने का आरोप है। गिरफ्तार शिक्षक की पहचान मशकूर अहमद के रूप में हुई है। वह इंदरवाल के एक सरकारी स्कूल में तैनात है। उसके खिलाफ UAPA के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, वह चटरू इलाके में आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देता था। यह मामला 4 फरवरी 2026 को डिच्छर-चटरू में हुए एनकाउंटर से जुड़ा है, जिसमें आतंकी आदिल मारा गया था। इधर, पुंछ के मेंढर स्थित कृष्णा घाटी सेक्टर में LoC पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई। अधिकारियों ने एक आतंकी के मारे जाने का दावा किया है, जबकि एक के घायल होने की आशंका है।

जैश कमांडर सैफुल्लाह के संपर्क में था : जांच एजेंसियों के मुताबिक, मशकूर अहमद जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर सैफुल्लाह के संपर्क में था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी के घर से सैफुल्लाह की एक तस्वीर मिली, जिसमें उसे नोटों की माला पहनाई गई थी। जांच एजेंसियां इसे आतंकी संगठन से करीबी संबंध के तौर पर देख रही हैं। जैश कमांडर सैफुल्लाह 22 फरवरी 2026 को चटरू में सुरक्षा बलों के 'ऑपरेशन त्राशी-1' में दो विदेशी आतंकियों के साथ मारा गया था।

नीट पेपर लीक में बड़ा एक्शनः केरल से सीकर पहुंचा 'गैस पेपर', राजस्थान में 15 आरोपियों को दबोचा

जयपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-2026 कीतीन मई को हुई परीक्षा रद्द की गई है। राजस्थान के सीकर और झुंझुनूं में परीक्षा से दो दिन पहले कई छात्रों को गैस पेपर मिला था।

दावा किया जा रहा है कि गैस पेपर के सवाल परीक्षा में आए पेपर के सवालों से मिलते हुए थे। इस मामले में राजस्थान एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आठ मई से जांच शुरू की है। एसओजी की दो टीमों ने सीकर और झुंझून में पहुंचकर जांच कर कई तथ्य जुटाने के साथ ही कुछ लोगों से पूछताछ भी की थी। इस मामले में अब तक 15 लोगों को पकड़ा है। जानकारी के अनुसार नीट परीक्षा के सात सौ अंकों में से छह सौ अंकों के सवाल सीकर एवं झुंझुनूं के छात्रों को परीक्षा से दो दिन

पहले मिले गैस पेपर से मिलते हुए थे। साथ ही 120 प्रश्न परीक्षा में हूबहू आए थे। सूत्रों के अनुसार गैस पेपर केरल में पढ़ने वाले चूरू जिले के एक एमबीबीएस छात्र ने सीकर में अपने मित्र को भेजा था। इसके बाद यह गैस पेपर सीकर में एक पीजी संचालक को मिला था।

उसने गैस पेपर अपने यहां रहने वाले छात्रों को दे दिया । साथ ही सीकर के करियर काउंसलर राकेश मंडावरिया ने कुछ अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले सवाल बताए थे,जिनमें से अधिकांश सवाल परीक्षा में आए थे। उसने अभ्यर्थियों को 'गैस पेपर' दिया था। अब एसओजी जांच कर रही है कि करियर काउंसलर तक सवाल कैसे पहुंचे। एसओजी ने राकेश को तीन अन्य लोगों के साथ देहरादून से पकड़ा गया है।

सूत्रों के अनुसार मनीष यादव एवं अविनाश लांबा नामक दो युवको की इस मामले में भूमिका को लेकर जांच की जा रही है। दो दिन पहले एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल ने कहा था कि नीट परीक्षा-2026 का कथित 'गैस पेपर' कई दिनों से छात्रों के पास था। गैस पेपर में 250 पेज की पीडीएफ है। इसमें से नीट में 410 में से 120 सवाल कैमेस्ट्री (रसायन विज्ञान) के परीक्षा में आने की बात सामने आई है। इस लिंक में कोई व्यक्ति देहरादून में था,जिससे भी पूछताछ की जा रही है। जांच अभी शुरूआत स्तर पर है। अभी इस बात की जांच की जा रही है कि गैस पेपर कैसे बना ।

जांच पूरी होने से पहले इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी जा सकती है। गहलोत ने सरकार पर निशाना साधा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इंटरनेट मीडिया पर कहा,नीट की परीक्षा रद्दा होना यह दर्शाता है कि बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई थी। राज्य की भाजपा सरकार ने जानबुझकर गड़बड़ी को दो सप्ताह तक छिपाने की कोशिश की है। भाजपा सरकार का असली चेहरा बेनकाब हो गया।

नोएडा श्रमिक हिंसा के दौरान तीन सेकेंड में जलाए वाहन, प्रशिक्षित थे उपद्रवी

नोएडा, एजेंसी। वेतन वृद्धि को लेकर 13 अप्रैल को हुई श्रमिक हिंसा की करीब महीनेभर से चल जांच में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। हिंसा के दौरान करीब तीन से पांच सेकेंड में वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था। उनको पता था कि बाइक का पाइप खोलकर कैसे आग लगाई जा सकती है या उपलब्ध ज्वलनशील पदार्थ को कहां पर डालना है। एकाएक वाहनों में आग भड़क उठे, जबकि आमजन को किसी भी वाहन में आग लगाने में औसतन दो से पांच मिनट का समय लगता है। नोएडा फेज दो, सेक्टर 63 आदि जगहों पर हिंसा के दौरान के वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों से पुष्टि हुई। उपद्रवियों ने कैमिकल फैक्ट्रियों तक पहुंच नहीं पाने पर आटोमोबाइल व हाजरी की फैक्ट्रियों को भी निशाना बनाया। इससे उत्पादन चेन का प्रभावित करना था। जांच उपद्रवियों के प्रशिक्षित होने और षडयंत्र के तहत हिंसा भड़काने की ओर इशारा कर रही हैं। एसआइटी की ओर से फंडिंग और साजिश की जांच जारी है। नोएडा में दो पहिया वाहन से लेकर हेलीकाप्टर के कलपुर्जों तक का निर्माण हो रहा है। यहां की

कानून व्यवस्था से लेकर आधारभूत सुविधाओं के बल पर नोएडा गुणवत्ता और उत्पादन के मामले में नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। देश-विदेश के उत्पादों को भी टक्कर दे रहा है। ड्रोन से लेकर मोबाइल, आटोमोबाइल और हाजरी की इकाइयों के लगातार स्थापित होने से चाइनीज और पाकिस्तानी देशों जैसे दुश्मनों की आंख में चुभ भी रहा है। 13 अप्रैल को हुई हिंसा के दौरान श्रमिकों के बीच घुसे उपद्रवियों की करतूत यहां की उत्पादन सप्लाई चेन को प्रभावित करने की आशंका की ओर इशारा कर रही हैं। जिस तरह से तीन सेकेंड में बाइकों में आग लगना सामने आया है। इससे इस बात की पुष्टी हुई कि आगजनी करने वाले एकदम प्रशिक्षित थे। उनको सुनियोजित साजिश के तहत बुलाया गया था। पुलिस का प्रयास है कि साक्ष्य जुटाकर हिंसा भड़काने में शामिल गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस ने घटना के दौरान के वीडियो को खंगालने के बाद साक्ष्य जुटाए हैं। इन के मोबाइलों की भी जांच करा रही है।

औसतन आयुवर्ग था 25 वर्ष : पुलिस की जांच में यह बात भी सामने आई है कि श्रमिकों के प्रदर्शन में अधिकांश युवा वर्ग शामिल था। इसकी औसत आयुवर्ग 25 वर्ष निकलकर सामने आया है, जबकि अमूमन किसान आंदोलन से लेकर देशभर में हुए आंदोलनों में शामिल लोगों का आयुवर्ग 45-50 वर्ष रहा है।

बंगालः हावड़ा में टीएमसी नेता के मकान के अंदर मिला गुप्त ठिकाना, पुलिस अधिकारी रह गए हैरान

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता से सटे हावड़ा शहर के शिवपुर इलाके में चुनाव बाद हिंसा के आरोपित स्थानीय टीएमसी नेता शमीम अहमद उर्फ बोर के घर मंगलवार को पुलिस की छापेमारी में चौंकाने वाला राजफाश हुआ।घर की तलाशी के दौरान पुलिस अधिकारी उस वक्त हैरान रह गए जब टीएमसी नेता के चार मंजिला मकान के अंदर बना एक बड़ा सा आलीशान गुप्त ठिकाना मिला, वह काफी लग्जरी तरीके से बनाया गया है। इसके भीतर कई अत्याधुनिक कमरे मिले। बताया गया कि मकान की दूसरी और तीसरी मंजिल के बीच गुप्त सीढ़ियों के जरिए इसमें आने-जाने की व्यवस्था की गई थी, जिसे बाहर से देखकर समझ पाना संभव नहीं था। पड़ोसियों को इसकी भनक नहीं थी।इसका राजफाश उस वक्त हुआ जब हाल में चुनाव बाद शिवपुर इलाके में हुई हिंसा और एक भाजपा कार्यकर्ता के घर बमबाजी के मामले में हावड़ा सिटी व शिवपुर थाने की पुलिस शिवपुर के चउड़ा

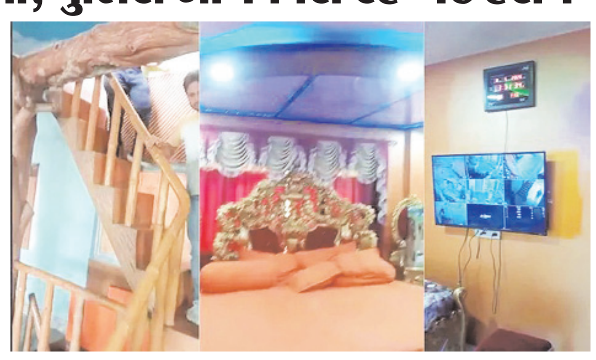

बस्ती इलाके में शमीम को गिरफ्तार करने पहुंची थी।

शमीम और उसकी पूर्व पार्षद पत्नी शमीमा खातून घर पर नहीं मिले। फिलहाल शिवपुर थाना पुलिस ने उसके मकान को सील कर दिया है और फरार शमीम की तलाश में लगातार छापेमारी जारी है। रामनवमी हिंसा मामले में भी है आरोपित शमीम पर कुछ साल पहले रामनवमी शोभायात्रा पर हमले के बाद हुई हिंसा में शामिल होने और पुलिस स्टेशन पर हमले जैसे गंभीर मामले भी दर्ज हैं। करीब तीन वर्ष पहले शिवपुर में रामनवमी शोभायात्रा पर हमले के आरोप में एनआइए ने भी शमीम को गिरफ्तार किया था। लंबे समय तक जेल में रहने के बाद कुछ महीने पहले ही उसे जमानत मिली थी। स्थानीय लोगों के बीच शमीम को अल्पसंख्यक बहुल शिवपुर इलाके का डॉन कहा जाता है। आरोप है कि वह लंबे समय से मध्य हावड़ा विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस के संरक्षण में प्रभावशाली नेता के रूप में सक्रिय था और उसकी नजदीकियां पूर्व मंत्री एवं स्थानीय विधायक अरूप राय से थीं। तृणमूल विधायक अरूप राय ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र के लोगों से उनका संपर्क होना स्वाभाविक है। यदि किसी ने अपराध किया है तो पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी।

आईडीएमसी रिपोर्ट में खुलासाः युद्ध और हिंसा ने दुनिया में मचाई तबाही

जिनेवा, एजेंसी। दुनियाभर में संघर्ष, गृहयुद्ध, सांप्रदायिक हिंसा और जलवायु आपदाओं ने करोड़ों लोगों को अपने ही देश में बेघर कर दिया है। इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर (आईडीएमसी) व नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) की ताजा ग्लोबल रिपोर्ट ऑन इंटरनल डिस्प्लेसमेंट 2026 के अनुसार 2025 के अंत तक 104 देशों में 8 करोड़ 22 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित जीवन जी रहे थे। यह संख्या जर्मनी की आबादी के बराबर है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में यह आंकड़ा दोगुने से अधिक हो गया है और पहली बार युद्ध तथा हिंसा ने प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा लोगों को विस्थापित किया। रिपोर्ट के मुताबिक 8 करोड़ 22 लाख विस्थापितों में 6

करोड़ 86 लाख लोग संघर्ष और हिंसा के कारण बेघर हुए।

ईरान बना सबसे बड़ी एकल विस्थापन घटना का केंद्रः रिपोर्ट के अनुसार जून 2025 में इस्त्राइल और ईरान के बीच हुए 12 दिन के संघर्ष ने आधुनिक समय की सबसे बड़ी एकल आंतरिक विस्थापन घटना पैदा की। इस्त्राइली सैन्य कार्रवाई और निकासी चेतावनियों के बाद तेहरान से करीब एक करोड़ लोगों को भागना पड़ा। इनमें 60 लाख लोग मजंदरान व 40 लाख गीलान प्रांत पहुंचे। आईडीएमसी के अनुसार इतने कम वक्त में एक देश में इतनी बड़ी आबादी के विस्थापन का यह अब तक का सबसे बड़ा मामला है।

फलस्तीन और सूडान में लगातार बिगड़ते हालातः फलस्तीन में 2025 के दौरान 27 लाख 56 हजार बार विस्थापन दर्ज किया गया। वर्ष के अंत तक करीब 20 लाख लोग अब भी विस्थापित थे।

गाजा में जनवरी के युद्धविराम के बाद लाखों लोग लौटे, लेकिन बुनियादी ढांचा तबाह होने के कारण हालात सामान्य नहीं हो सके। मार्च में फिर संघर्ष शुरू हो गया और अगस्त में अकाल जैसी स्थिति पैदा हो गई। पश्चिमी तट में भी 1967 के बाद सबसे बड़े पैमाने पर विस्थापन दर्ज हुआ।

36 लाख लोग बाढ़, भूकंप, तूफान और अन्य आपदाओं की वजह से विस्थापित हुए। आईडीएमसी की निदेशक ट्रेसी लुकास ने कहा कि संख्या में मामूली गिरावट के बावजूद स्थिति अब भी रिकॉर्ड स्तर के बेहद करीब है और इसे वास्तविक सुधार नहीं माना जा सकता।

फेल हुआ ट्रंप का हिसाब! गोल्डन डोम की लागत अनुमान से सात गुना ज्यादा

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की महत्वाकांक्षी योजना गोल्डन डोम अब विवादों के घेरे में है। अमेरिका को मिसाइलों से बचाने के लिए प्रस्तावित इस स्पेस वेपन प्रोग्राम की लागत उम्मीद से कई गुना बढ़ गई है।

कांग्रेस के बजट कार्यालय सीबीओ की ताजा रिपोर्ट ने सरकार के दावों की पोल खोल दी है। ट्रंप ने पिछले साल इस प्रोजेक्ट की लागत महज 175 अरब डॉलर यानी 16,69,057.62 करोड़ रुपये बताई थी। लेकिन सीबीओ के विश्लेषण के मुताबिक, अगले 20 वर्षों में इस पर 1.2 ट्रिलियन डॉलर, करीब 100 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह रकम अनुमान से सात गुना ज्यादा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने कार्यकाल के पहले ही हफ्ते में एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किया था।

इसके तहत अंतरिक्ष में हथियार तैनात करने की योजना है। यह सिस्टम जमीन और अंतरिक्ष दोनों जगहों से संचालित होगा। यह दुश्मन की मिसाइलों को लॉन्च होते ही पहचानने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम होगा। ट्रंप का लक्ष्य इसे जनवरी 2029 तक पूरी तरह सक्रिय करने का है।

पश्चिम एशिया संकटः ईरान ने अमेरिका को दी परमाणु हथियारों की धमकी, शांति प्रस्ताव खारिज होने के बाद बढ़ा तनाव

दुबई/वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की तरफ से शांति प्रस्ताव पर ईरानी के जवाब को खारिज किए जाने के बाद पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध की आहट सुनाई देने लगी है। ईरान ने जहां दोबारा हमला करने पर हथियार बनाने के स्तर पर यूरेनियम के संवर्धन की चेतावनी दी है, वहीं बताया जाता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान के खिलाफ फिर से व्यापक सैन्य कार्रवाई शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। ईरान के संसदीय प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने मंगलवार को अमेरिका को खुले तौर पर परमाणु हथियारों की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर उनके देश पर दोबारा हमला होता है तो तेहरान 90 प्रतिशत शुद्धता तक यूरेनियम का संवर्धन कर सकता है। इसे हथियार बनाने लायक माना जाता है। संसदीय राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग के प्रवक्ता रेजाई ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, एक और हमले की स्थिति में ईरान के पास उपलब्ध विकल्पों में 90 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन हो सकता है। हम संसद में इसकी समीक्षा

करेंगे। उधर, अमेरिकी सूत्रों ने सीएनएन को बताया कि ईरान के साथ समझौता नहीं हो पाने से ट्रंप प्रशासन में निराशा बढ़ने लगी है। अमेरिकी राष्ट्रपति इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ वाशिंगटन की सैन्य कार्रवाई को फिर से शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। बाधित वार्ता और परमाणु मुद्दे को सुलझाने के लिए तेहरान का रवैया ट्रंप प्रशासन की नाराजगी का प्रमुख कारण है। ट्रंप ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और इस्लामिक गणराज्य के नेतृत्व में व्याप्त विभाजन की आशंका से भी अधीर हो रहे हैं। ईरान की प्रतिक्रिया ने कई अमेरिकी अधिकारियों को यह सवाल उठाने के लिए बाध्य किया है कि क्या तेहरान गंभीरता से बातचीत में शामिल होने के लिए तैयार है। आगे की कार्रवाई को लेकर ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेद उभर आए हैं। सीएनएन के अनुसार, पेंटागन सहित कुछ अधिकारी ईरान पर दबाव बनाने के लिए लक्षित सैन्य हमलों के माध्यम से अधिक आक्रामक दृष्टिकोण अपनाने की वकालत कर रहे हैं, जबकि प्रशासन के अन्य अधिकारी राजनयिक प्रयासों को और समय देने पर जोर दे रहे हैं।

यूरेनियम संवर्धन पर अटकी वार्ताः ईरान के पास लगभग 400 किलोग्राम यूरेनियम है जिसे 60 प्रतिशत तक संवर्धित किया जा चुका है। इसे 90 प्रतिशत तक संवर्धित किया जा सकता है। यानी, इस यूरेनियम को परमाणु हथियार बनाने के स्तर तक शुद्ध किया जा सकता है। अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु का संवर्धन पूरी तरह रोक दे, जिसके लिए ईरान तैयार नहीं है।

कुवैत ने हमले के लिए सशस्त्र दल भेजने का आरोप लगायाः कुवैत ने ईरान पर अपने एक द्वीप पर हमला करने के लिए सशस्त्र रिवोल्यूशनरी गार्ड का एक दल भेजने का आरोप लगाया है। उसने दावा किया कि गार्ड के छह सशस्त्र सदस्यों के एक दल ने इराक और ईरान के निकट फारस की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित बुबियान द्वीप में घुसपैठ करने की कोशिश की। इनमें चार लोगों को हिरासत में ले लिया गया जबकि दो भाग गए। हमले में कुवैत का एक सुरक्षा अधिकारी घायल हो गया।

ब्रिटेन ने ईरानी संगठनों व व्यक्तियों पर लगाए नए प्रतिबंधः ब्रिटेन ने अपनी धरती पर शत्रुतापूर्ण गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में ईरानी संगठनों और व्यक्तियों को प्रतिबंधित किया है। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि सोमवार को घोषित ये नए उपाय वैश्विक सुरक्षा के खिलाफ ईरानी कार्रवाई और विदेशों में धमकियां देने के लिए आपराधिक गिरोहों के इस्तेमाल के जवाब में उठाए गए हैं। जिन संस्थाओं को प्रतिबंध के दायरे में लाया गया उनमें बेरेलियन एक्सचेंज, जीसीएम एक्सचेंज और जिंदाश्ती नेटवर्क शामिल हैं। प्रतिबंध सूची में शामिल व्यक्तियों में मंसूर जारिंगहलम, नासिर जारिंगहलम, एक्रेम अब्दुलकेरीम ओज्टुनक, निहात अब्दुल कादिर असान, रजा हामिदिरावरी और नामिक सालिफोव शामिल हैं।

इस्त्राइल ने यूएई को आयरन डोम बैटरियां और कर्मी भेजेः इस्त्राइल में अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी ने मंगलवार को कहा कि ईरान युद्ध के दौरान देश की रक्षा के लिए इस्त्राइल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को आयरन डोम मिसाइलरोधी बैटरियां और उन्हें संचालित करने के लिए कर्मी भेजे थे। तेल अवीव सम्मेलन में हकाबी ने कहा, मैं अब्राहम समझौते के पहले सदस्य यूएई की सराहना करना चाहूंगा। इसके लाभों को देखिए। इस्त्राइल ने उनकी मदद के लिए आयरन डोम बैटरियां और उन्हें संचालित करने के लिए कर्मी भेजे हैं। यूएई ने वर्ष 2020 में कूटनीतिक रूप से इस्त्राइल को मान्यता दी थी।

गुरुग्राम के खेटावास गांव में जीएमडीए ने ध्वस्त किया अवैध दो मंजिला निर्माण, चल रहा था स्कूल

फरुखनगर, एजेंसी। जीएमडीए के प्रवर्तन विंग ने सोमवार को फरुखनगर क्षेत्र के गांव खेटावास में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 800 वर्ग गज में बने अवैध दो मंजिला निर्माण को ध्वस्त कर दिया। यह निर्माण पंजाब अनुसूचित सड़क एवं नियंत्रित क्षेत्र अनियमित विकास प्रतिबंध अधिनियम, 1963 (हरियाणा में लागू) के प्रावधानों का उल्लंघन कर बनाया गया था। जानकारी के अनुसार उक्त भवन में अवैध रूप से एक स्कूल संचालित किया जा रहा था। भूमि की धोखाधड़ी से बिक्री और स्कूल के अनधिकृत संचालन को लेकर विभिन्न जन शिकायत मंचों पर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। यह मामला समाधान शिविरों में भी उठाया गया था। वहीं भूमि की पैमाइश से जुड़े मामले माननीय उच्च न्यायालय एवं स्थानीय न्यायालय में विचाराधीन बताए जा रहे हैं। जीएमडीए ने इससे पूर्व भी कार्रवाई करते हुए भवन की चारदीवारी को आंशिक रूप से ध्वस्त किया था तथा संबंधित पक्ष को कारण बताओ नोटिस और बहाली आदेश जारी किए गए थे। बावजूद इसके नियमों का उल्लंघन जारी रहने पर प्राधिकरण ने राजस्व विभाग के सहयोग से दोबारा भूमि की पैमाइश करवाई और अवैध निर्माण को पूरी तरह जमींदोज कर दिया। तोड़फोड़ अभियान के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए फरुखनगर पुलिस के करीब 50 पुलिसकर्मियों को मौके पर तैनात किया गया था। कार्रवाई में दो जेसीबी मशीनों का इस्तेमाल किया गया। जीएमडीए के डीटीपी एवं गुरुग्राम में अतिक्रमण के नोडल अधिकारी आरएस बाठ ने कहा कि नियंत्रित क्षेत्रों में हो रहे अवैध निर्माणों और नियम उल्लंघनों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

पश्चिमी यूपी में एक बार फिर बदलेगा मौसम, आंधी के साथ हो सकती है बारिश

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बीते कुछ दिनों से मौसम का अजब गजब हाल है। पश्चिमी यूपी के कई जिलों में तेज आंधी, गरज-चमक और बारिश ने राहत दी, जबकि बुंदेलखंड समेत कई इलाकों में गर्मी ने फिर तेवर दिखाने शुरू कर दिए। बांदा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और बिजनौर में झमाझम बारिश हुई। मुरादाबाद में 12.8 मिमी और बरेली में 11.8 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। सहारनपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर और आगरा में 50 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। वहीं झांसी, प्रयागराज, वाराणसी और हमीरपुर में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मौसम विभाग ने बुधवार को पूर्वी तराई के 11 जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और बूंदाबांदी की संभावना जताई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ का असर बुधवार तक बना रहेगा। इसके बाद बृहस्पतिवार से प्रदेश में तापमान धीरे-धीरे बढ़ेगा और गर्मी फिर जोर पकड़ सकती है।

अब रंग दिखाएगी जेठ की गर्मी, चढ़ेगा पारा : राजधानी में जेठ की गर्मी रंग दिखाने लगी है। मंगलवार को तपिश के साथ उमस की दोहरी मार पड़ी। दिन चढ़ने के साथ सख्त धूप हुई और पारे में 0.8 डिग्री की बढ़त आई। मौसम विभाग ने एक हफ्ते में अधिकतम तापमान में छह डिग्री तक की बढ़त के आसार जताए हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि नए सक्रिय हुए विक्षोभ का लखनऊ में खास असर नहीं पड़ने वाला है। हालांकि, बुधवार सुबह बादलों की आवाजाही के आसार हैं। इसके बाद आने वाले दिनों में फिर से तेज गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 37.1 डिग्री

भंडारों में दिखी समरसता, प्रसाद से की पेट पूजा

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में दूसरे बड़े मंगल पर हुए भंडारों के आयोजनों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए शिप्रा पाठक ने 45 हजार हरे पत्तल और पांच हजार हनुमान चालीसा से अभिमंत्रित पौधों का निशुल्क वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गोमती संरक्षण को लेकर अयोध्या से रामेश्वरम तक 13 हजार किलोमीटर पद यात्राएं कर चुकीं शिप्रा पाठक ने बताया कि मंगलवार सुबह से ही पंचतत्व संस्था के स्वयंसेवक वाहनों से राजधानी के अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचे और भंडारों में हरे पत्तलों व पौधों का वितरण किया। अभियान के दौरान राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक कृष्ण गोपाल भी पहुंचे। गौरैया संस्कृति संस्थान की ओर से हनुमान सेतु स्थित संकट मोचन मंदिर में वरिष्ठ लोकगायिका इंदिरा श्रीवास्तव के सिखाए गीतों की प्रशिक्षु महिलाओं ने प्रस्तुतियां दीं। संस्थान की अध्यक्ष ने बताया कि इस अवसर पर लोक भजनों के साथ ही श्रीराम व हनुमान जी के भजनों की प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर आशा तिवारी, सुनीता चौरसिया, रीना सिंह, कुमकुम मिश्रा, अमृता दीक्षित, अल्पना श्रीवास्तव, सुषमा सक्सेना, सुनीता निगम, अनुराधा गुप्ता, अमिता द्विवेदी, रेणुका त्रिपाठी आदि मौजूद रहीं। कैंट रोड पर स्थित अशोक सिंघल चौराहे के पास प्रदीप भार्गव की पुण्य स्मृति में आयोजित भंडारे में भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. नीरज सिंह, अपूर्व भार्गव, सह सरकार्यवाह कृष्ण गोपाल, प्रांत प्रचारक कौशल, पर्यावरण प्रमुख गोपाल आर्य, प्रमुख प्रचारक मनोज कांत, विभाग कार्यवाह प्रशांत भाटिया, राष्ट्र धर्म निर्देशक अभिनव भार्गव और वाटर वुमन शिप्रा पाठक आदि मौजूद रहे। हजरतगंज चौराहे पर स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर पर डॉ. अखिलेश दास गुप्ता फाउंडेशन की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान बीबीडी ग्रुप व डॉ. अखिलेश दास गुप्ता फाउंडेशन के अध्यक्ष विराज सागर दास ने मौजूद श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया। इस मौके पर देवांशी दास गुप्ता, गोपाल आर्य, प्रो. राम कुमार तिवारी, विवेक उपाध्याय और हर्षिता श्रीवास्तव आदि की मौजूदगी रही। राजाजीपुरम स्थित सेंट जोसेफ विद्यालय में सुंदरकांड के साथ भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें समूह के प्रबंध निदेशक अनिल अग्रवाल, संस्थापक डॉ. पुष्पलता अग्रवाल, नवनियुक्त संयुक्त लीडर राखी अग्रवाल, सलोनी व नक्षत्र आदि मौजूद रहे।

15 दिवसीय सह योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर संपन्न, स्वस्थ तन-मन के लिए जीवन में योग अपनाने की अपील

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट और पतंजलि किसान सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को 15 दिवसीय सह योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीधी विधायक रीती पाठक रही जबकि अध्यक्षता अधिवक्ता आशुतोष गुप्ता ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिवक्ता प्रमोद कुमार मिश्र, योग शिक्षक, साधक और प्रशिक्षुओं सहित शहर के सैकड़ों गणमान्यजन मौजूद रहे। समापन अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रों के उच्चारण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई तत्पश्चात योगाभ्यास किया गया। प्रमुख वक्ता अधिवक्ता आशुतोष गुप्ता ने संगठन का परिचय देते हुए योग के लाभ और बीमारियों को दूर करने के उपायों पर प्रकाश डाला वहीं पतंजलि किसान सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार मिश्र ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जीवनशैली की चुनौतियों से मुक्त होने के लिए घर में औषधीय पौधों का रोपण और प्रतिदिन योग व प्राणायाम का अभ्यास करना आवश्यक है। पूर्व विकासखंड शिक्षा अधिकारी लक्ष्मीकांत शर्मा ने स्वदेशी वस्तुओं के महत्व पर जोर देते हुए सभी योग साधकों का धन्यवाद किया योग आयोग के अध्यक्ष दिलीप त्रिपाठी ने अपने अनुभव साझा करते हुए योग से हुए स्वास्थ्य लाभों का वर्णन किया। मीरा मेमोरियल योग केंद्र की शिक्षिका आराधना सिंह ने उपस्थित सभी साधकों और अतिथियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि योग केवल शरीर ही नहीं बल्कि मन और जीवन को भी स्वस्थ बनाता है उन्होंने अतरू-प्रातरू समय में योगाभ्यास करने की सलाह दी मुख्य अतिथि रीती पाठक ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलित बनाती है उन्होंने प्रशिक्षुओं के उज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएँ देते हुए समिति को 21 हजार रुपये की सहयोग राशि भेंट की पाठक ने आशा जताई कि प्रशिक्षित शिक्षक पूरे जिले में योग का प्रचार-प्रसार कर स्वस्थ और निरोगी समाज बनाने में योगदान देंगे। समापन कार्यक्रम में अधिवक्ता आशुतोष गुप्ता, प्रमोद कुमार मिश्र, योग आयोग के जिला अध्यक्ष दिलीप त्रिपाठी, एलण्केणशर्मा स्वदेशी जागरण मंच, श्रवण शुक्ला जिला सांस्कृतिक प्रभारी, इंजीनियर अशोक कुमार मिश्र सहित अन्य गणमान्यजन और सभी योग साधक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर हरि विलास गुप्ता ने किया और अंत में अधिवक्ता बीके शुक्ल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बुजुर्ग क्लेम का इंतजार करती हैं निजी बीमा कंपनियां, अदालतों में लंबित प्रकरणों के निपटारे की जरूरत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बीमा क्षेत्र में काम करने वाली निजी कंपनियों द्वारा बुजुर्ग ग्राहकों के क्लेम प्रकरणों में लगातार देरी किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं विशेषज्ञों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि कंपनियां अधिकतर अपने मुआवजे की राशि बचाने के लिए बुजुर्गों के मरने का इंतजार करती हैं ताकि उनके परिवार कम से कम मुआवजा लेकर समझौता कर लें। मानवाधिकार रक्षा मंच के अध्यक्ष अधिवक्ता नारायण डिगवानी ने बताया कि युवाओं के क्लेम प्रकरणों में बीमा कंपनियां तेजी से समझौता कर वादियों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कर देती हैं। इसका कारण यह है कि युवाओं को तत्काल पैसे की आवश्यकता होती है और वे कम राशि में भी समझौता कर लेते हैं। इसके विपरीत बुजुर्ग वादियों को लंबित नियमों और कानूनों के कारण जल्द समझौता करने में कठिनाई होती है अदालतों में उनके प्रकरणों की सुनवाई में वर्षों लग जाते हैं जिससे न्याय मिलने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। डिगवानी ने कहा कि बुजुर्ग अक्सर परिवार पर आश्रित होते हैं और अपने इलाज के लिए कर्ज तक ले लेते हैं ऐसे में न तो बीमा कंपनियों और न ही अदालतों द्वारा उनके प्रति कोई विशेष ध्यान दिया जाता है लोक अदालतों में आवेदन देने के बावजूद समझौता करने की प्रक्रिया में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता उन्होंने जोर देकर कहा कि बुजुर्गों के क्लेम प्रकरणों में शीघ्र निपटारे के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग अधिवेशन: वर्गीय विभाजन का षड्यंत्रकारी कदम, मास्टर बुद्धसेन पटेल ने जताई चिंता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मास्टर बुद्धसेन पटेल एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने 30 एवं 31 मई 2026 को सरदार पटेल संस्थान, निराला नगर, रीवा में प्रस्तावित राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग अधिवेशन को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ सामाजिक विघटनकारी तत्व पूरे ओबीसी समाज को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं बयान में कहा गया कि आयोजन संबंधी पंपलेट में 'समस्त पिछड़ा वर्ग समाज, रीवा (म.प्र.)' का नाम उपयोग करते हुए कई प्रमुख सामाजिक और राजनीतिक हस्तियों के नाम बिना उनकी अनुमति, सहमति या जानकारी के प्रकाशित किए गए हैं ये पंपलेट व्हाट्सएप, फेसबुक और अन्य माध्यमों से व्यापक रूप से प्रसारित किए जा रहे हैं मास्टर बुद्धसेन पटेल ने इसे ओबीसी समाज को अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अल्पसंख्यक और अन्य वंचित वर्गों से अलग करने का सुनियोजित प्रयास बताया उन्होंने इसे अत्यंत निंदनीय और सामाजिक सौहार्द को कमजोर करने वाला कृत्य करार दिया। उन्होंने कहा, 'लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति और समाज को अपनी आवाज़ उठाने और संगठन बनाने का अधिकार है किंतु यह आपसी संवाद, सहमति और सामंजस्य के आधार पर ही होना चाहिए। बयान में बताया गया कि आयोजन समिति के पंपलेट में लगभग 200 से अधिक व्यक्तियों के नाम प्रकाशित हैं, जिनमें अधिवक्ता अभिषेक कुमार पटेल, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी (बहुजन समाज पार्टी, रीवा) का नाम भी शामिल है। मास्टर पटेल ने स्पष्ट किया कि उनका इस आयोजन से कोई संबंध नहीं है और उन्होंने अपना नाम प्रकाशित करने की अनुमति नहीं दी। ज्ञात हो कि अधिवक्ता अभिषेक कुमार पटेल ने बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी के रूप में रीवा लोकसभा चुनाव लड़ा था और उन्हें सभी जाति एवं धर्म के मतदाताओं से लगभग 1 लाख 18 हजार मत प्राप्त हुए थे मास्टर पटेल ने कहा कि उनका नाम बिना सहमति प्रकाशित करना उनकी छवि को धूमिल करने और बदनाम करने का प्रयास है। मास्टर बुद्धसेन पटेल ने चेतावनी दी कि यदि संबंधित षड्यंत्रकारी व्यक्तियों ने इस प्रकार की गतिविधियाँ नहीं रोकीं तो आयोजन समिति और मुख्य अतिथियों के खिलाफ मानहानि सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पेयजल संकट और जल संरक्षण को लेकर कलेक्टर सख्त, अधिकारियों को दिए क्षेत्र भ्रमण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिले में ग्रीष्मकाल के दौरान उत्पन्न पेयजल संकट, जल संरक्षण एवं जनहित से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहकर कार्य करने के निर्देश दिए। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में उन्होंने पेयजल आपूर्ति, जल गंगा संवर्धन अभियान, समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी सीएम हेल्पलाइन शिकायतों और जनगणना कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समस्या ग्रस्त गांवों का लगातार भ्रमण करें और जहां आवश्यकता हो वहां वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करें उन्होंने जरूरत पड़ने पर नए नलकूपों के खनन तथा जलस्तर गिरने से बंद पड़े हैंडपंपों में राइजर पाइप लगाने के निर्देश भी दिए। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान और जल संचय जनभागीदारी अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई कलेक्टर ने कहा कि जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसके लिए सभी विभागों को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। उन्होंने जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराने जनजागरूकता अभियान चलाने और प्रतिदिन की गतिविधियों की रिपोर्ट पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए। समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने परिवहन एवं भंडारण कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को उनकी उपज का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए तथा खरीदी केंद्रों का नियमित निरीक्षण कर किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने खाद्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, ऊर्जा और राजस्व विभागों की लंबित शिकायतों पर नाराजगी जताई उन्होंने कहा कि समय सीमा से बाहर और 50 दिनों से अधिक लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए साथ ही लोक सेवा गारंटी के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों को भी शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जनसंपर्क विभाग के आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिलेवासियों को शासन और प्रशासन से जुड़ी प्रमाणिक एवं महत्वपूर्ण जानकारी समय पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनसंपर्क विभाग मऊगंज के आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल का शुभारंभ किया गया। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने DPR Mauganj व्हाट्सएप चैनल लॉन्च करते हुए स्वयं अपने मोबाइल से चैनल को फॉलो किया और जिले के नागरिकों से भी अधिक से अधिक संख्या में इससे जुड़ने की अपील की। कलेक्टर जैन ने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया सूचना का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुका है। ऐसे में शासन की योजनाओं, प्रशासनिक गतिविधियों और जनहितकारी सूचनाओं को त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से आमजन तक पहुंचाने के लिए यह पहल की गई है। उन्होंने कहा कि इस चैनल के माध्यम से अब नागरिकों को प्रमाणिक और आधिकारिक जानकारी सीधे उनके मोबाइल पर प्राप्त होगी जिससे अफवाहों और फेक न्यूज से बचाव संभव हो सकेगा उन्होंने बताया कि व्हाट्सएप चैनल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां केवल अधिकृत और सत्यापित सूचनाएं ही साझा की जाएंगी इससे आम नागरिकों को किसी भी सरकारी योजना, आदेश या अभियान की सही जानकारी समय पर उपलब्ध हो सकेगी कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को भी निर्देश दिए कि वे अधिक से अधिक लोगों को इस चैनल से जोड़ने के लिए प्रेरित करें। जनसंपर्क विभाग मध्यप्रदेश द्वारा राज्य के प्रत्येक जिले के लिए आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल तैयार कराया गया है। इसका उद्देश्य सरकारी योजनाओं, प्रशासनिक गतिविधियों, भर्ती संबंधी सूचनाओं, जनकल्याणकारी अभियानों और शासन की उपलब्धियों को तेजी से लोगों तक पहुंचाना है मऊगंज जिले का यह चैनल भी इसी कड़ी का हिस्सा है जहां नागरिकों को जिले की हर महत्वपूर्ण गतिविधि की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि चैनल के माध्यम से जिले में चल रहे विकास कार्यों, जनहित योजनाओं, स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी सूचनाओं, आपदा प्रबंधन, विशेष अभियानों और महत्वपूर्ण सरकारी घोषणाओं की जानकारी नियमित रूप से साझा की जाएगी इससे आमजन को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता भी कम होगी और उन्हें समय पर अपडेट मिल सकेंगे। उल्लेखनीय है कि जनसंपर्क विभाग मध्यप्रदेश पहले से ही एक्स फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से शासन की योजनाओं और उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार कर रहा है ।

NEET 2026 पेपर लीक के विरोध में NSUI का प्रदर्शन, जल्द होगा मशाल जुलूस और डिप्टी CM आवास घेराव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। NEET 2026 परीक्षा में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के खिलाफ आज भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में संगठन ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की ज्ञापन में NSUI ने कहा कि देशभर के लाखों छात्र-छात्राएं दिन-रात मेहनत करके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं लेकिन लगातार हो रहे पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं के कारण उनका भविष्य संकट में पड़ रहा है। NSUI ने आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक एक सामान्य घटना बन गई है जिससे छात्रों का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास लगातार कमजोर हो रहा है। जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा NEET 2026 परीक्षा को लेकर पूरे देश में गंभीर सवाल उठ रहे हैं सोशल मीडिया पर वायरल हुए कथित प्रश्नपत्र और परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों में समानता ने छात्रों के बीच भारी आक्रोश पैदा कर दिया है यदि इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो हम छात्रों के भविष्य के हित में बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि जल्द कार्रवाई नहीं होने पर NSUI रीवा में विशाल मशाल जुलूस निकालने के साथ ही मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के आवास का घेराव करेगी उन्होंने स्पष्ट किया कि इस आंदोलन की जिम्मेदारी पूरी तरह से शासन-प्रशासन पर होगी। ज्ञापन सौंपने के कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा, रीवा विधानसभा अध्यक्ष संस्कार त्रिपाठी, टीआरएस इकाई अध्यक्ष नित्कर्ष मिश्रा, विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष विष्णुवर्धन सिंह, ऋतिक तिवारी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे सभी ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने की सरकार से अपील की। NSUI ने यह भी कहा कि यदि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई और परीक्षा प्रक्रिया को सुरक्षित बनाया गया तभी युवा वर्ग के भविष्य को उज्ज्वल बनाया जा सकता है अन्यथा, संगठन आगामी दिनों में और अधिक उग्र आंदोलनों के लिए तैयार है। इस विरोध प्रदर्शन ने रीवा शहर में युवाओं की बढ़ती नाराजगी और परीक्षा प्रणाली के प्रति असंतोष को उजागर किया है छात्रों का कहना है कि सरकार समय रहते कार्रवाई नहीं करती है तो उनकी मेहनत और भविष्य दोनों खतरे में पड़ सकते हैं।

डिप्टी सीएम को विन्ध्य विभूति अलंकरण देने का हिन्दू धर्म परिषद ने किया स्वागत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आगामी 17 मई को पुरुषोत्तम मास के शुभारंभ अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला को विंध्य क्षेत्र में विकास के क्षेत्र में योगदान देने के लिए विन्ध्य विभूति अलंकरणप्रदान किया जाएगा हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा, संयोजक सुमित माँजवानी, सह संयोजक उमेश कुशवाहा और मार्गदर्शक डॉ. सी.बी. शुक्ला, डॉ. के.के. परौहा, डॉ. ज्योति सिंह, डी.पी. सिंह परिहार, अवधेश वास्तव, विजय मोहन तिवारी, महिला अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे सही और सराहनीय बताया पारंपरिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस सम्मान को क्षेत्र में विकास और नेतृत्व के नए आयाम स्थापित करने का अवसर माना जा रहा है परिषद ने उम्मीद जताई कि यह अलंकरण क्षेत्र के युवाओं और समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

अनूप तिवारी से जान का खतरा, पुलिस अधीक्षक से लगाई सुरक्षा की गुहार

प्रेसवार्ता में शकील खान ने लगाए गंभीर आरोप, झूठी शिकायतों और धमकियों से परेशान होने का दावा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के घोघर वार्ड क्रमांक 33 निवासी शकील खान ने बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में अपने पूर्व कारोबारी सहयोगी अनूप तिवारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक रीवा एवं नवागत कलेक्टर से सुरक्षा की मांग की है उन्होंने कहा कि अनूप तिवारी द्वारा उन्हें बदनाम करने और झूठे मामलों में फंसाने की लगातार कोशिश की जा रही है जिससे उन्हें अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए शकील खान ने बताया कि अनूप तिवारी पिता स्वर्गीय अरुण कुमार तिवारी निवासी पड़रा रीवा कभी उनके व्यवसायिक सहयोगी थे जमीनों के क्रय-विक्रय के कार्य में विश्वास के आधार पर उन्होंने अनूप तिवारी को अपने साथ जोड़ा था और लेन-देन एवं दस्तावेजी कार्यों की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंप दी थी शकील खान का आरोप है कि उनके निवेशकों द्वारा भेजी गई रकम अनूप तिवारी के खाते में ट्रांसफर कराई जाती थी जिसके बाद उनके मन में लालच आ गया और उन्होंने रकम हड़पने की नीयत से षड्यंत्र रचना शुरू कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि अनूप तिवारी ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर थाना सिविल लाइन, थाना अमहिया और थाना सिटी कोतवाली में उनके खिलाफ मिथ्या तथ्यों पर आधारित शिकायतें दर्ज कराईं हालांकि पुलिस जांच में आरोपों की सच्चाई सामने आने के बाद कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बावजूद अनूप तिवारी ने उच्च न्यायालय जबलपुर में भी प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, रीवा पुलिस अधीक्षक, थाना प्रभारी सिविल लाइन और स्वयं शकील खान के खिलाफ याचिका दायर कर दी। शकील खान ने यह भी दावा किया कि फोर्ट रोड निवासी एक महिला चंद्रप्रभा सिंह से भी उनके खिलाफ झूठी शिकायत कराई गई जबकि वह महिला उन्हें जानती तक नहीं है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उनके पास ऑडियो रिकॉर्डिंग मौजूद है इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि अनूप तिवारी लगातार उनसे पैसों की मांग करता है और मांग पूरी नहीं होने पर मोबाइल फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए जान से बर्बाद करने की धमकियां देता है। प्रेसवार्ता में शकील खान ने कहा कि अनूप तिवारी द्वारा झूठे आवेदन जनसुनवाई में शिकायतें और समाचार पत्रों में भ्रामक बयान देना अब उसका पेशा बन चुका है उन्होंने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। शकील खान ने कहा कि उन्हें और उनके परिवार को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है तथा यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कोई भी अप्रिय घटना घट सकती है उन्होंने प्रशासन से न्याय दिलाने और दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने की अपील की।

परीक्षार्थियों से खिलवाड़

संपादकीय

दुर्भाग्य से यही स्थिति प्रतियोगी परीक्षाएं कराने वाली अन्य संस्थाओं की भी है। इसी कारण प्रश्नपत्र लीक होने का सिलसिला कायम है। मेडिकल कालेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के प्रश्नपत्र लीक होने से पूरी परीक्षा रद करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक। यह परीक्षा इसलिए रद करनी पड़ी, क्योंकि राजस्थान पुलिस को कुछ छात्रों के पास से ऐसे गेस पेपर मिले, जिनके 410 प्रश्नों में से 140 से अधिक परीक्षा के मूल प्रश्नों से हूबहू मिल रहे थे। साफ है कि परीक्षाओं में सेंध लगाने वालों ने परीक्षा के पहले ही कहीं से प्रश्नपत्र हासिल कर लिए। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई और शीघ्र ही नीट का दोबारा आयोजन किया जाएगा, क्योंकि 22 लाख से अधिक छात्रों को दोबारा परीक्षा देनी पड़ेगी।

इतनी बड़ी परीक्षा फिर से कराने का मतलब है छात्रों के साथ सरकार के समय और संसाधन की बर्बादी। छात्रों को मानसिक रूप से जो परेशानी उठानी पड़ी, उसकी तो क्षतिपूर्ति करना ही कठिन है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि जिस नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए का गठन ही इसलिए हुआ था कि प्रतियोगी परीक्षाएं नीर-क्षीर ढंग से हों, वह अपने उद्देश्य में नाकाम सिद्ध हो रही है। नीट में गड़बड़ी और अव्यवस्था के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं।गत वर्षों में कई बार इस परीक्षा में सेंध लगने के आरोप लगे और दो वर्ष पहले तो इन आरोपों ने इतना तूल पकड़ा कि एनटीए को कुछ केंद्रों की परीक्षा रद करके दोबारा करानी पड़ी थी। अतीत में एनटीए की ओर से आयोजित की जाने वाली कुछ और परीक्षाओं में भी गड़बड़ियां हो चुकी हैं या फिर धांधली की आशंका के चलते उन्हें टालना पड़ा है। स्पष्ट है कि यह एजेंसी कसौटी पर खरी नहीं उतर पा रही है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को इसकी तह तक जाना होगा कि ऐसा क्यों है? उसे इसका आभास होना चाहिए कि एनटीए के साथ उसकी साख पर भी सवाल उठ रहे हैं। आखिर इंटरनेट और कंप्यूटर के इस युग में किसी परीक्षा के प्रश्नपत्र मुद्रित कर उन्हें देश भर के सैकड़ों केंद्रों में भेजने की पुराने जमाने की प्रक्रिया क्यों जारी है इस प्रक्रिया में तो कहीं पर भी सेंध लग सकती है यह समझना भी कठिन है कि जिस परीक्षा में लाखों छात्र बैठते हों, उसके प्रश्नपत्र के कई सेट क्यों नहीं तैयार किए जाते, ताकि यदि कभी कहीं प्रश्नपत्र लीक भी हो जाएं तो पूरी परीक्षा न रद करनी पड़े। एनटीए का काम इसलिए संतोषजनक नहीं, क्योंकि वह पुराने तौर-तरीकों से काम कर रही है और अपने तंत्र को इसके लिए प्रेरित नहीं कर पा रही कि वह विश्व की प्रतिष्ठित और भरोसेमंद परीक्षाओं से कोई सीख ले। दुर्भाग्य से यही स्थिति प्रतियोगी परीक्षाएं कराने वाली अन्य संस्थाओं की भी है।

विद्या मंदिरों में लगते ताले

निर्मल रानी

देश के लगभग 21 लाख छात्रों का भविष्य पिछले दिनों उस समय फिर दांव पर लग गया जबकि नीट अर्थात नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट की राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा, पेपर लीक हो जाने के कारण रद्द कर दी गयी। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनटीए अर्थात नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इस मामले में स्वयं को ज़िम्मेदार मानते हुये परीक्षा रद्द करने की घोषणा की। पेपर लीक होने के चलते देश में पहले भी नीट परीक्षाएं रद्द हो चुकी हैं। इसके लिए ज़िम्मेदार कोई भी हो परन्तु इससे सबसे बड़ा नुक़्सान उस मेहनतकश विद्यार्थी को हुआ है जिसने दिन रात एक कर परीक्षा दी और परीक्षा के परिणाम सुनने के बजाये उन्हें परीक्षा के रद्द होने जैसी मनहूस ख़बर सुनाई दी। इस घटना के बाद एक बार फिर हमारे देश की विद्या यहाँ के विद्यार्थियों तथा विद्यालयों के भविष्य को लेकर चर्चा छिड़ गयी है। एक तरफ़ तो नीट परीक्षा देने वाले जीव विज्ञान,वनस्पति विज्ञान,प्राणी विज्ञान,रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान के वे छात्र जो भविष्य में डॉक्टर,वैज्ञानिक,इंजीनियर आदि बनकर देश की सेवा करना चाहते हैं,उनका भविष्य अधर में लटका दिखाई दे रहा है। तो दूसरी तरफ़ शिक्षा को लेकर सरकार का एजेंडा व उसकी प्राथमिकतायें भी कुछ और ही नज़र आ रही हैं।

आज देश के विभिन्न राज्यों के विद्यालयों में अब भारतीय ज्ञान प्रणाली के नाम पर धर्म,अध्यात्म,कर्म काण्ड व पंडितों की शिक्षा दी जाने लगी है। यहाँ सरकारी और कुछ निजी स्कूलों में हिंदू धर्म, अध्यात्म, नैतिक मूल्यों, भारतीय ज्ञान प्रणाली और संबंधित ग्रंथों (जैसे भगवद्गीता, रामायण, वेद) की शिक्षा दी जा रही है और इससे संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह मुख्य रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत,मूल्य-आधारित शिक्षा, नैतिकता और सांस्कृतिक जागरूकता के नाम पर हो रहा है। हालांकि भारतीय संविधान (अनुच्छेद 28) सरकारी फ़ंड वाले स्कूलों में धार्मिक शिक्षा पर रोक लगाता है, लेकिन धर्मों के बारे में शिक्षा की अनुमति है जिसे आधार बनाकर धार्मिक शिक्षा दी जा रही है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ समर्थित व अन्य हिंदू संगठनों द्वारा संचालित स्कूलों में यह पहले से अधिक प्रचलित है।

शिक्षा को लेकर हमारा देश इस समय एक ऐसे दुर्भागयपूर्ण दौर से गुज़र रहा है जबकि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर बैठे अनेक लोगों की शिक्षा, उनकी डिग्रियां असली हैं या नक़ली, विधान निर्माता शिक्षित है या अशिक्षित,इसतरह के सवाल उठ रहे हैं। उधर उच्च शिक्षा हासिल करने के लिये संपन्न लोग अपने बच्चों को पहले भी विदेश भेजा करते थे और आज भी भेजते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री व दुनिया के जाने माने अर्थशास्त्री स्व डॉ मनमोहन सिंह ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से 1957 में अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी ऑनर्स डिग्री हासिल की थी और ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय से 1962 में डी.फ़िल. की उपाधि ग्रहण की थी। पंडित जवाहरलाल नेहरू व राजीव गाँधी भी कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं। इसी तरह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण,ज्योतिरादित्य सिंधिया,राहुल गांधी,जयराम रमेश ,पी. चिदंबरम,कपिल सिब्बल,सुब्रमण्यम स्वामी,जयंत सिन्हा,रतन टाटा, आनंद महिंद्रा जैसे अनेकानेक राजनेता उद्योगपति व प्रतिष्ठित लोग हारवर्ड,कैम्ब्रिज,ऑक्सफोर्ड या अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं।

परन्तु हमारे प्रधानमंत्री की नज़रों में शायद इन विश्वविद्यालयों की डिग्रियों या यहाँ की पढ़ाई की उतनी अहमियत नहीं। तभी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2017 को उत्तर प्रदेश में एक चुनावी रैली के दौरान कहा था कि एक तरफ़ वे लोग हैं जो हार्वर्ड की बात करते हैं, और दूसरी तरफ़ एक ग़रीब का बेटा है, जो अपनी कड़ी मेहनत (Hard work) से अर्थव्यवस्था को सुधारने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी उन्होंने तमिलनाडु में एक सभा में कहा था कि देश को विकास के लिए हार्वर्ड की नहीं, हार्ड वर्क की ज़रूरत है। प्रधानमंत्री के अनुसार हार्वर्ड वालों से ज़्यादा दम हार्ड वर्क वालों में है। ज़रा सोचिये कि क्या पढ़ाई करना हार्ड वर्क की श्रेणी में नहीं आता ? जो बच्चा परीक्षा की तैयारी के लिये दिन रात एक किये रहता है,खाना पीना नींद आराम सब कुछ छोड़कर रोज़ 16 -18 घण्टे पढ़ाई करता है वह क्या हार्ड वर्क नहीं है ।

नीट-यूजी परीक्षा 2026 रद्द-3 मई 2026 को आयोजित पेपर लीक

परीक्षा माफिया और एनटीए की विश्वसनीयता पर सबसे बड़ा संकट

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

क़्या पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट 2024 जिसे एंटी पेपर लीक कानून कहा जाने लगा निष्प्रभावी साबित हुआ? नीट-यूजी 2026 सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा पेपर लीक के कारण रद्द- छात्र और अभिभावक सदमे में कि आखिर वास्तविक मास्टरमाइंड कानून से कैसे बार-बार खिलवाड़ करते हैं और बच जाते हैं ? वैश्विक स्तरपर भारत की शिक्षा व्यवस्था एक बारफिर ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है,जहां करोड़ों विद्यार्थियों का विश्वास,अभिभावकों की उम्मीदें और देश की प्रतिस्पर्धी परीक्षा प्रणाली की साख एक साथ कठघरे में खड़ी हो गई है। 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा रद्द किए जाने के फैसले ने पूरे देश में अभूतपूर्व हलचल पैदा कर दी है।परीक्षा रद्द होने के पीछे कथित पेपर लीक,वायरल गेस पेपर, संगठित परीक्षा माफिया और प्रश्नपत्र के बड़े हिस्से के असली परीक्षा से मेल खाने के आरोपों ने शिक्षा जगत को झकझोर दिया है। केंद्र सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच सीबीआई को सौंप दी है,जबकि देश के अनेक शहरों में छात्र आंदोलन,प्रदर्शन और विरोध मार्च शुरू हो चुके हैं।दिल्ली से लेकर पटना,जयपुर, लखनऊ,भोपाल और कोटा तक विद्यार्थियों में गुस्सा साफ दिखाई दे रहा है। लाखों छात्र यह सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर उनकी वर्षों की मेहनत का मूल्य क्या है, यदि परीक्षा प्रणाली ही सुरक्षित नहीं रह गई है। यह केवल एक परीक्षा रद्द होने की घटना नहीं है, बल्कि भारत की पूरी प्रतिस्पर्धी परीक्षा व्यवस्था पर गहरा अविश्वास पैदा करने वाला राष्ट्रीय संकट बन चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि नीट-यूजी 2026 विवाद ने एक बार फिर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। पिछले लगभग पांच वर्षों में अनेक राष्ट्रीय परीक्षाओं को लेकर लगातार विवाद सामने आते रहे हैं। कभी पेपर लीक के आरोप लगे, कभी तकनीकी गड़बड़ियां हुई,कभी परीक्षा केंद्रों की अव्यवस्था पर सवाल उठे और कभी परिणामों की पारदर्शिता पर बहस छिड़ी। नीट, यूजीसी नेट, जेईई और कई भर्ती परीक्षाओं में समय-समय पर सामने आए विवादों ने यह धारणा मजबूत की है कि देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं न कहीं गंभीर खामियां मौजूद हैं। इस बार स्थिति इसलिए और अधिक विस्फोटक हो गई क्योंकि परीक्षा से ठीक पहले सोशल मीडिया, टेलीग्राम चैनलों और कुछ निजी नेटवर्कों पर एक कथित गेस पेपर वायरल हुआ था। बाद में जांच एजेंसियों द्वारा यह दावा सामने आया कि वायरल सामग्री के लगभग 120 से 125 प्रश्न वास्तविक प्रश्नपत्र से हूबहू मेल खाते थे। यदि यह दावा पूरी तरह सही साबित होता है, तो यह केवल लीक नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर संगठित परीक्षा अपराध का उदाहरण माना जाएगा। साथियों बात अगर हम साल 2018 में स्थापित नेशनल टेस्टिंग एजेंसी का उद्देश्य को समझने की करें तो देश में प्रवेश परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी,आधुनिक और निष्पक्ष बनाना था। एजेंसी को तकनीक आधारित परीक्षा प्रणाली, डिजिटल निगरानी और केंद्रीकृत प्रबंधन के जरिए शिक्षा क्षेत्र में सुधार का बड़ा मॉडल माना गया था। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार एनटीए ने स्थापना के बाद 240 से अधिक परीक्षाओं का आयोजन किया, जिनमें 5.4 करोड़ से ज्यादा छात्र शामिल हुए।लेकिन उपलब्धियों के साथ-साथ विवादों की सूची भी लगातार बढ़ती गई। संसद में वर्ष 2024 में दिए गए सरकारी जवाब में यह स्वीकार किया गया था कि एनटीए को अब तक कम से कम 16 परीक्षाओं को स्थगित करना पड़ा। यह संख्या केवल प्रशासनिक चुनौतियों का संकेत नहीं देती, बल्कि यह बताती है कि भारत जैसी विशाल आबादी वाले देश में परीक्षा प्रबंधन कितनी जटिल और संवेदनशील प्रक्रिया बन चुका है।

साथियों बात अगर हम नीट-यूजी से जुड़ा विवाद इसको समझने की करें तो यह नया नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में कई बार इस परीक्षा कीविश्वसनीयता पर सवाल उठे हैं। 2024 में भी नीट परीक्षा को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हुआ था, जब परिणामों में असामान्य अंक, ग्रेस मार्क्स,परीक्षा केंद्रों की अनियमितताएं और पेपर लीक के आरोपों ने राष्ट्रीय बहस का रूप ले लिया था। उस समय मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और केंद्र सरकार को व्यापक सफाई देनी पड़ी। हालांकि परीक्षा पूरी तरह रद्द नहीं हुई थी, लेकिन पूरे घटनाक्रम ने परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी थी। उसी वर्ष यूजीसी नेट 2024 परीक्षा को पेपर लीक की आशंकाओं के चलते रद्द करना पड़ा था। इससे पहले भी राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कई भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं सामने आ चुकी थीं। कई राज्यों में संगठित गिरोह करोड़ों रुपये लेकर उम्मीदवारों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने, सॉल्वर बैठाने और डिजिटल माध्यमों से परीक्षा में धोखाधड़ी कराने के आरोपों में पकड़े गए। साथियों बात अगर हम पेपर लीक रोकने के लिए अधिनियम की करें तो लगातार बढ़ते विवादों और राष्ट्रीय स्तरपर हो रही आलोचना के बाद केंद्र सरकार ने 2024 में पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट लागू किया,जिसे आम बोलचाल में एंटी पेपर लीक कानून कहा जाने लगा। संसद ने फरवरी 2024 में इस कानून को पारित किया और 21 जून 2024 से इसे पूरे देश में लागू कर दिया गया। सरकार का तर्क था कि संगठित परीक्षा अपराध अब इतना बड़ा नेटवर्क बन चुका है कि केवल राज्य स्तरीय कानूनों से इससे निपटना संभव नहीं है। इसीलिए राष्ट्रीय स्तर पर कठोर कानूनी ढांचा आवश्यक था।लेकिन अब सटीक विडंबना यह है कि इतने सख्त कानून के लागू होने के बावजूद नीट-यूजी 2026 जैसी देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा को पेपर लीक के आरोपों के कारण रद्द करना पड़ा। इससे छात्रों और अभिभावकों के मन में सबसे बड़ा प्रश्न यही उठ रहा है कि आखिर वास्तविक मास्टरमाइंड कौन हैं और वे कानून से बच कैसे जाते हैं।एंटी पेपर लीक कानून के प्रावधान अत्यंत कठोर माने जाते हैं। इस कानून के तहत पेपर लीक, फर्जी परीक्षा संचालन, डिजिटल हैकिंग, सॉल्वर गैंग चलाना या उम्मीदवार की जगह किसी अन्य व्यक्ति को परीक्षा दिलाना गैर-जमानती अपराध घोषित किया गया है। संगठित पेपर लीक गिरोह चलाने वालों को 5 से 10 वर्ष तक की जेल की सजा हो सकती है। इसके अतिरिक्त 1 करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रावधान भी रखा गया है। यदि किसी परीक्षा केंद्र, आईटी कंपनी, प्रिंटिंग एजेंसी या अन्य सेवा प्रदाता की मिलीभगत सामने आती है, तो उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है और उनकी संपत्तियां भी जब्त की जा सकती हैं। कानून केंद्र सरकार को यह अधिकार भी देता है कि गंभीर मामलों की जांच सीबीआई जैसी एजेंसियों को सौंपी जा सके और विशेष अदालतों के माध्यम से तेज सुनवाई कराई जा सके। पहली नजर में यह कानून बेहद कठोर और व्यापक दिखाई देता है,लेकिनवास्तविक चुनौती कानून बनाने से अधिक उसके प्रभावी क्रियान्वयन की है।

साथियों बात अगर हम विशेषज्ञों के राय को समझने की करें तो वे मानते हैं कि भारत में पेपर लीक अब केवल स्थानीय अपराध नहीं रह गया है, बल्कि यह संगठित आर्थिक उद्योग का रूप ले चुका है। इसमें शिक्षा माफिया कोचिंग नेटवर्क, तकनीकी विशेषज्ञ,साइबर अपराधी,प्रिंटिंग चैन से जुड़े लोग और कुछ भ्रष्ट प्रशासनिक तत्वों की संभावित मिलीभगत होती है। यही कारण है कि कई मामलों में जांच एजेंसियां छोटे स्तर के एजेंटों तक तो पहुंच जाती हैं, लेकिन वास्तविक मास्टरमाइंड तक पहुंचना बेहद कठिन साबित होता है। परीक्षा प्रक्रिया में प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उसकी प्रिंटिंग,पैकेजिंग ट्रांसपोर्टेशन,डिजिटलट्रांसमिशन और परीक्षा केंद्रों तक वितरण की लंबी श्रृंखला होती है। यदि किसी एक स्तर पर भी सुरक्षा चूक हो जाए,तो पूरी परीक्षा खतरे में पड़ सकती है।

साथियों बात अगर हम डिजिटल योग की करें तो डिजिटल तकनीक ने जहां परीक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाया है, वहीं अपराधियों को भी नए हथियार दे दिए हैं। पहले पेपर लीक मुख्यतः फोटोकॉपी या भौतिक दस्तावेजों तक सीमित रहता था,लेकिन अब एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप टेलीग्राम चैनल, क्लाउड स्टोरेज और डार्क वेब जैसे माध्यमों का उपयोग बढ़ गया है। साइबर अपराधी मिनटों में हजारों लोगों तक प्रश्नपत्र पहुंचा सकते हैं। जांच एजेंसियों के लिए यह पता लगाना कठिन हो जाता है कि मूल स्रोत कहां था और जानकारी किस चैनल से फैली। कई बार गेस पेपर के नाम पर प्रश्नपत्र प्रसारित किए जाते हैं, जिससे कानूनी जांच और अधिक जटिल हो जाती है क्योंकि आरोपी यह तर्क देते हैं कि वह केवल संभावित प्रश्नों का संकलन था। लेकिन यदि बड़ी संख्या में प्रश्न वास्तविक परीक्षा से मेल खा जाएं, तो संदेह स्वतः गहरा जाता है।नीट-यूजी 2026 मामले में भी यही हुआ। परीक्षा से पहले कुछ ऑनलाइन समूहों में वायरल सामग्री को पहले सामान्य 'गेस पेपर' माना गया, लेकिन बाद में जांच में कथित रूप से यह सामने आया कि 120 से अधिक प्रश्न वास्तविक पेपर से मेल खाते थे। यही वह बिंदु था, जिसने पूरे मामले को राष्ट्रीय संकट में बदल दिया। लाखों विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि कुछ उम्मीदवारों को परीक्षा से पहले अनुचित लाभ मिला। सोशल मीडिया पर कई छात्रों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों की मेहनत और मानसिक तनाव के बाद यदि परीक्षा की निष्पक्षता ही समाप्त हो जाए, तो मेहनती छात्रों का भविष्य ग्रुप से असुरक्षित हो जाता है। साथियों बात अगर हम इस पूरे विवाद का सबसे बड़ासामाजिक प्रभाव छात्रों की मानसिक स्थिति पर पड़ा है इसको समझने की करें तो,नीट जैसी परीक्षा केवल एक टेस्ट नहीं होती, बल्कि लाखों परिवारों के सपनों, आर्थिक निवेश और भावनात्मक संघर्ष से जुड़ी होती है। अनेक छात्र वर्षों तक कोचिंग लेते हैं, परिवार अपनी बचत खर्च करते हैं और छात्र अत्यधिक मानसिक दबाव के बीच तैयारी करते हैं। परीक्षा रद्द होने का अर्थ केवल पुनर्परीक्षा नहीं होता,बल्कि यह छात्रों के आत्मविश्वास, मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य की योजनाओं पर गहरा आघात होता है। कई छात्र पहले ही लंबे समय तक प्रतियोगी परीक्षाओं के तनाव से गुजरते हैं। ऐसे में पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने की घटनाएं उनके भीतर व्यवस्था के प्रति भयंकर अविश्वास पैदा करती हैं। साथियों बात अगर हम राजनीतिक स्तरपर भी यह मुद्दा तेजी से उभर रहा है। इसको समझने की करें तो विपक्षी दल केंद्र सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की जवाबदेही पर सवाल उठा रहे हैं। दूसरी ओर सरकार का कहना है कि कठोर कार्रवाई की जा रही है और दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा। लेकिन जनमानस में यह धारणा मजबूत हो रही है कि हर बार परीक्षा रद्द होने के बाद केवल जांच और गिरफ्तारियों की खबरें आती हैं, जबकि कुछ समय बाद मामला धीमा पड़ जाता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ लगातार फास्ट ट्रैक न्याय की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। उनका मानना है कि जब तक दोषियों को त्वरित और सार्वजनिक सजा नहीं मिलेगी, तब तक परीक्षा माफिया का मनोबल नहीं टूटेगा।

साथियों बात अगर हम भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव भी इस समस्या की जड़ में मौजूद है इसको समझने की करें तो, नीट परीक्षा में हर वर्ष लाखों छात्र कुछ हजार मेडिकल सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। सीमित अवसर और अत्यधिक प्रतिस्पर्धा परीक्षा माफिया के लिए बड़ा बाजार तैयार करते हैं।

बंद कमरों की खामोशी में दर्ज एक यात्रा—कश्मीर की वादियों से लौटती हुई एक संवेदन

भैया - भैया मेरी तन्द्रा टुट गई मेरे नजर तभी एक कश्मीरी महिला के मासुम चेहरे पर पड़ी- जिसके गोद में एक प्यारी सी मासून बच्ची थी जो अपनी माँ के मार्मिक आवाज में मासूम स्वर बोल रही थी - भैया - भैया कुछ दे दो-तभी मैने अपने अपनी जेब से 10 रु0 नोट उसके हाथ में पकड़ा दिया - आदतन मै कभी भी किसी भीख माँगने वाले को कुछ नही देता हुँ तभी -पुनः महिला नें कारूणिक स्वर- जिसमें एक माँ की ममता- संवेदना व मजूबरी स्वर थे-भैया बच्ची भुखी है -कुछ खाने का दे दो।

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

यात्राएँ केवल भौगोलिक दूरी का विस्तार नहीं होतीं, वे मनुष्य के भीतर बसे अनुभवों, संवेदनाओं और संघर्षों की भी परतें खोलती हैं।29अप्रैल की संध्या से 3 मई 2026 के बीच जम्मू तवी से प्रारम्भ होकर श्रीनगर तक पहुँची यह मीडिया यात्रा भी एक ऐसी ही बहुआयामी अनुभूति बन गई -जहाँ एक ओर बाहरी दुनिया का अद्भुत विस्तार था, वहीं दूसरी ओर भीतर चल रही थकान, असहजता और आत्म संवाद की गहरी परछाइयाँ भी थीं।यह यात्रा जितनी बाहर की थी, उससे कहीं अधिक भीतर की यात्रा बन गई।जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से इस यात्रा का वास्तविक आरंभ हुआ। यह स्थान केवल एक पड़ाव नहीं,बल्कि कई दिशाओं से आई यात्राओं का संगम था। दिल्ली और अन्य शहरों से अलग-अलग ट्रेनों के माध्यम से पहुँचे पत्रकारों के चेहरों पर थकान और उत्साह का एक साथ होना इस यात्रा की पहली झलक थी। किसी के पास कहानियाँ थीं, किसी के पास अपेक्षाएँ—और इन्हीं के बीच यह सफर धीरे-धीरे आगे बढ़ा,लेकिन हर यात्रा केवल उम्मीदों से नहीं चलती,वह शरीर और मन की सीमाओं को भी परखती है। श्रीनगर पहुँचते-पहुँचते मेरे भीतर यह सीमा स्पष्ट होने लगी।पहले हल्की थकान,फिर असहजता, और धीरे-धीरे एक गहरा शारीरिक कष्ट—यह सब इस यात्रा का हिस्सा बन गया।अनियमित दिनचर्या,भोजन का अभाव और लगातार चलने वाली गतिविधियों ने शरीर को कमजोर कर दिया।श्रीनगर—प्रकृति की गोद में बसा वह अद्भुत नगर, जहाँ हर दृश्य एक कविता की तरह खुलता है।डल झील की शांत जलराशि पर तैरते शिकारे जैसे समय को थाम लेते हैं। सुबह की किरणें जब जल पर उतरती हैं,तो लगता है जैसे आकाश और धरती एक-दूसरे से संवाद कर रहे हों।मुगलकालीन स्थापत्य के प्रतीक शालीमार बाग और निशांत वाग अपने भीतर इतिहास और प्रकृति का संतुलन समेटे हुए हैं।यहाँ की हरियाली, जलधाराएँ और सुव्यवस्थित उद्यान मानो उस समय की संवेदनशीलता को आज भी जीवित रखते हैं।चश्मे शाही का निर्मल जल, जिसकी शीतलता थके हुए मन और शरीर को राहत देती है, प्रकृति के उस स्पर्श का अनुभव कराता है जो बिना शब्दों के भी बहुत कुछ कह जाता है।वहीं हजरत बल सिने की पवित्रता और शांति मन को एक गहरे आध्यात्मिक अनुभव से भर देती है।

और लाल चौक यह केवल एक स्थान नहीं, .बल्कि जीवन की धड़कन है,जहाँ शहर अपने पूरे रंग और लय में साँस लेता है।इस समूचे सौंदर्य के बीच मेरी अपनी स्थिति एक अलग ही कहानी लिख रही थी।शारीरिक कष्ट के कारण मैं समूह से अलग पड़ गया।होटल के नियमों और परिस्थितियों ने मुझे एक सीमित दायरे में बाँध दिया।वह कमरा, जो विश्राम के लिए था,धीरे-धीरे एक बंद संसार में बदल गया। बाहर की वादियाँ पुकार रही थीं, लेकिन भीतर की थकान उस पुकार तक पहुँचने नहीं दे रही थी।आईने में चेहरा देखा तो थकान की लकीरें स्पष्ट दिखाई दे रही थीं—जैसे हर रेखा एक अनुभव को दर्ज कर रही हो। उस क्षण यह एहसास और गहरा हुआ कि एक पत्रकार होने के बावजूद, हर अनुभव को पूरी तरह जी पाना संभव नहीं होता।कुछ यात्राएँ केवल देखी नहीं जातीं, वे भीतर झेली भी जाती हैं।इसी खामोशी के बीच एक छोटा-सा क्षण एक नए द्वार की तरह सामने आया।जब मैं नाश्ते के लिए रेस्टोरेंट पहुँचा, तो होटल के एक कर्मचारी ने सहजता से कहा— 'सर, आपके सभी लोग घूमने चले गए।' यह सुनकर एक क्षण के लिए भीतर एक खालीपन उतर आया। लेकिन उसी क्षण उसने एक और बात कही— 'ड्राइवर है, आप भी घूम लीजिए। 'यह प्रस्ताव जैसे बंद कमरे की खिड़की खुलने जैसा था। थोड़ी ही देर में एक ड्राइवर की व्यवस्था हुई और मैं अकेले श्रीनगर की सड़कों पर निकल पड़ा।यह यात्रा अब समूह की औपचारिकता से मुक्त होकर एक व्यक्तिगत अनुभव बन चुकी थी—मेरे और इस शहर के बीच एक सीधा संवाद।राज भवन श्रीनगर की गंभीरता, चश्मे शाही की ताजगी,और लाल चौक की हलचल—इन सबने उस थके हुए मन को एक नई ऊर्जा दी।यह अनुभव किसी आधिकारिक कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था, लेकिन इसने इस यात्रा को एक मानवीय आयाम दे दिया। इस दौरान मुझे श्री नगर मानवीय संवेदना की झलक दिखाई दी - शैने - शैने हमारी कारी आगे वढ़ रही थी तभी एक आवाज मेरी कान में पड़ी - भैया - भैया मेरी तन्द्रा टुट गई मेरे नजर तभी एक कश्मीरी महिला के मासुम चेहरे पर पड़ी - जिसके गोद में एक प्यारी सी मासून बच्ची थी जो अपनी माँ के मार्मिक आवाज में मासूम स्वर बोल रही थी - भैया - भैया कुछ दे दो - तभी मैने अपने अपनी जेब से 10 रु0 नोट उसके हाथ में पकड़ा दिया - आदतन मै कभी भी किसी भीख माँगने वाले को कुछ नही देता हुँ तभी - पुनः महिला नें कारूणिक स्वर - जिसमें एक माँ की ममता - संवेदना व मजूबरी स्वर थे - भैया बच्ची भुखी है -कुछ खाने का दे दो तभी मैने अन्तर्मन के आवाज स्वीट क्रीम ब्रेड का पैकेट पकड़ा - उनकी आँखे-अन्तर्मन अनंत दुआ देती हुई-हम आगे वढ़ गयें ।इस यात्रा के दौरान अकेलेपन में भी एक संवाद था, एक आत्मीयता थी,जो शायद भीड़ में संभव नहीं थी।लेकिन यात्रा का संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ था।वापस लौटने पर जब थकान और अस्वस्थता फिर से गहराई,तब एक मानवीय स्पर्श ने इस पूरे अनुभव को एक नई संवेदना से भर दिया।विनोद भट्ट ने मेरे चेहरे की थकान को समझते हुए एक टैबलेट मेरे हाथ में थमाई और कहा - 'दादा,आप चिंता न करें, आप स्वस्थ हो जाएंगे। 'यह एक साधारण वाक्य था,लेकिन उस समय यह किसी बड़ी राहत से कम नहीं था।यह एहसास हुआ कि यात्रा में सबसे बड़ा सहारा स्थान नहीं, बल्कि इंसान होता है।इसी क्रम में मुझे मानवीय संवेदना का जीता जागता उदाहरण नजर आया है। वह नाम युवा सह यात्री अशोक शर्मा जी थे जो श्याद नार्दन रेलवे के स्टाफ /शोसल मीडिया टीम का नेतृत्व कर रहें है-अशोक जी तथा उनकी टीम के कई सम्मानित साथियों जो मेरे से पहली बार मिलें थे-आगे बढ़कर मेरी मदद की ।इस पूरी यात्रा में हालाकि सदस्यों के लिए व्हाटसएप बनायें गए थे लेकिन आयोजको द्वारा संवाद सम्प्रेषण -सहयोग व भोजन व्यवस्था का अभाव भी एक गहरी चुनौती रहा।समय पर सुचना ना मिलने -आपसी सहयोग -संवाद के सामंजस्य ना होने से नाश्ते, दोपहर और रात्रि भोजन की अनिश्चितता ने शरीर को और कमजोर कर दिया।यह केवल एक व्यक्तिगत कठिनाई नहीं थी,बल्कि एक बड़ा प्रश्न भी था-क्या व्यवस्थाओं में मानवीय आवश्यकताओं को पर्याप्त महत्व दिया जा रहा है?वापसी की यात्रा में जब मैं फिर जम्मू तवी होते हुए दिल्ली की ओर बढ़ा,तो यह मेरे लिए केवल एक वापसी नहीं थी,बल्कि एक आत्ममंथन था।अब वही रास्ते,वही स्टेशन और वही ठहराव एक नए अर्थ के साथ सामने आ रहे थे।हमारी यह पूरी यात्रा अंततः एक ऐसे कृतांत में बदल गई,जहाँ श्रीनगर का स्वर्गिक सौंदर्य और एक व्यक्ति की आंतरिक पीड़ा साथ-साथ चलती रही।एक ओर प्रकृति का अद्भुत विस्तार था,तो दूसरी ओर मन की थकान और संवेदनाओं का बोझ।कश्मीर की वादियों से लौटते हुए यह एहसास और गहरा हो गया कि किसी भी यात्रा की सच्चाई केवल उसके दृश्यों में नहीं,बल्कि उन अनुभवों में छिपी होती है,जो हमें भीतर से छू जाते हैं।

कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने नगर विकास का लिया व्यापक निरीक्षण

पेयजल, यातायात और हसिया नदी फ्रंट विकास पर दिए अहम निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने नगर क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर विकास कार्यों आधारभूत सुविधाओं और जनसुविधाओं की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शहर की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप पेयजल व्यवस्था यातायात सुधार शहरी अधोसंरचना एवं भविष्य की विकास योजनाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए निरीक्षण की शुरुआत शहर स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से हुई जहां कलेक्टर महोदया ने पेयजल शोधन प्रक्रिया, वितरण व्यवस्था और गुणवत्ता नियंत्रण का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और नियमित पेयजल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। जलापूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए इसके बाद कलेक्टर महोदया ने नगर की बढ़ती यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भूपेंद्र क्लब और एसडब्ल्यूसी गोदाम की भूमि का निरीक्षण किया। इस दौरान शहर में यातायात दबाव को कम करने पार्किंग व्यवस्था सड़क विस्तार और सुव्यवस्थित परिवहन व्यवस्था विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपलब्ध भूमि का समुचित उपयोग करते हुए नागरिक सुविधा केंद्रित प्रस्ताव तैयार किए जाएं निरीक्षण के क्रम में कलेक्टर ने एसआरएलएम सेंटर का दौरा कर वहां संचालित गतिविधियों योजनाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र के माध्यम से आजीविका संवर्धन गतिविधियों की समीक्षा की और इन्हें और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया ताकि स्थानीय हितग्राहियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके नगर क्षेत्र में भविष्य की स्वच्छता और पर्यावरणीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने प्रस्तावित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के लिए चिन्हित भूमि का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सुनियोजित शहरी विकास के लिए आधुनिक सीवेज प्रबंधन व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। इस दिशा में शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए निरीक्षण का एक महत्वपूर्ण केंद्र हसिया नदी फ्रंट भी रहा कलेक्टर महोदया ने इसे नागरिकों के लिए आकर्षक और उपयोगी सार्वजनिक स्थल बनाने की संभावनाओं का अवलोकन किया उन्होंने हसिया नदी फ्रंट पर वॉकिंग ट्रैक सड़क निर्माण सौंदर्यीकरण तथा हसिया और हसदेव नदी के संगम क्षेत्र को पर्यटन और जनउपयोगी दृष्टि से विकसित करने हेतु विस्तृत सर्वे कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनेंद्रगढ़ और मुख्य नगरपालिका अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि प्रत्येक विकास कार्य में गुणवत्ता समयबद्धता पारदर्शिता और जनहित सर्वोपरि होना चाहिए, ताकि नगर विकास की योजनाएं धरातल पर प्रभावी रूप से दिखाई दें।

ड्राइवर को झपकी आने से कार पेड़ से टकराई

शादी से लौट रहे शिवपुरी के एक ही परिवार के 6 लोग घायल, सभी खतरे से बाहर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। गुना जिले के बजरंगगढ़ इलाके स्थित सेमरी घाटी पर बुधवार सुबह करीब 6:30 बजे एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई इस सड़क हादसे में शिवपुरी जिले के एक ही परिवार के दो बच्चियों सहित 6 लोग घायल हो गए। परिवार भोपाल में एक शादी समारोह में शामिल होकर गुना लौट रहा था तभी ड्राइवर को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ शिवपुरी जिले के लुकवासा के रहने वाले श्रीकृष्ण रघुवंशी (73) अपने पूरे परिवार के साथ भोपाल में आयोजित एक शादी में शामिल होने गए थे। घायलों में श्रीकृष्ण के अलावा उनकी पत्नी रामवती (70) बेटे हरिओम (46), हरिमोहन (40) नातिन अरुणा (19) और मिल्की (9) शामिल हैं नातिन का पेपर होने के कारण कर रहे थे वापसी घायलों ने जिला अस्पताल में बताया कि 19 वर्षीय अरुणा गुना के पीजी कॉलेज से बीए (BA) की पढ़ाई कर रही है बुधवार को उसका इतिहास (हिस्ट्री) का पेपर था नातिन की परीक्षा के कारण ही पूरा परिवार भोपाल से सुबह जल्दी गुना की ओर लौट रहा था डायल 112 ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की डायल 112 टीम मौके पर पहुंची टीम ने सभी घायलों को तुरंत रेस्क्यू कर इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया सभी घायलों को अस्पताल के ट्रामा वार्ड में भर्ती किया गया है डॉक्टरों के अनुसार फिलहाल सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर है।

माखननगर में केबल चुराने वाले चोरों को पकड़ रहे किसान

40 हजार के 5 स्टार्टर और केबल के साथ आरोपी गिरफ्तार, 20 दिन में चोरी का तीसरा मामला

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के माखननगर थाना क्षेत्र में खेतों से पानी की मोटर स्टार्टर और केबल चुराने का मामला सामने आया है। मंगलवार रात ग्राम फुरतला में किसानों ने खेत के पास संदिग्ध हालत में घूम रहे एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 40 हजार रुपए कीमत के 5 स्टार्टर और तार जब्त किए हैं पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी का नाम चंदू पिता इंद्रराज सिंह राजपूत (30) है जो फुरतला गांव का ही निवासी है पूछताछ में उसने 6 किसानों के खेतों से स्टार्टर और तार चुराने की बात कबूल की है। माखननगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और बुधवार को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा चोरी से परेशान किसान खुद कर रहे निगरानी क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों से किसान परेशान हैं और अब वे खुद रात में अपने खेतों की निगरानी कर रहे हैं। माखननगर थाने के एएसआई अशोक काटोले ने बताया ग्राम फुरतला के किसान सुनील राजपूत ने खेत से केबल और स्टार्टर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी इसी बीच मंगलवार रात को किसानों ने संदिग्ध अवस्था में घूम रहे चंदू को पकड़ा। पूछताछ में उसने चोरी करना स्वीकार किया जिसके बाद उसे पुलिस को सौंप दिया गया माखननगर क्षेत्र में पिछले 20 दिनों के भीतर ग्रामीणों द्वारा चोरों को पकड़ने का यह तीसरा मामला है। तीन दिन पहले ग्राम सिमरोदा में भी ग्रामीणों ने चोरी की नीयत से घर में घुसे दो युवकों को रंगे हाथों पकड़ा था। ग्रामीणों की पिटाई के बीच एक आरोपी वीर सिंह गुर्जर (निवासी सेंदरवाड़ा) भाग निकला था, जबकि दूसरे आरोपी डालचंद कहार (निवासी तालकेशरी) को पुलिस के हवाले कर दिया गया इससे पहले 20 दिन पहले आरी गांव में भी ग्रामीणों ने दो आरोपियों को रंगे हाथों चोरी करते पकड़ा था। उन आरोपियों के पास से पुलिस ने चोरी की मोटर और एक बाइक बरामद की थी।

पिपरसमा मंडी में पानी को लेकर हंगामा :पेयजल व्यवस्था बंद होने से किसानों का प्रदर्शन, गर्मी में परेशान हम्माल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले की पिपरसमा अनाज मंडी में बुधवार को पानी की गंभीर किल्लत को लेकर किसानों और हम्मालों ने जमकर हंगामा किया भीषण गर्मी के बीच पेयजल व्यवस्था ठप होने से नाराज किसान मंडी प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए शिकायत लेकर मंडी सचिव कार्यालय पहुंचे इन दिनों जिले का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज लेकर रात से ही ट्रॉलियों में मंडी पहुंच रहे हैं फसल की बिक्री शाम तक होने के कारण उन्हें पूरे दिन मंडी परिसर में रुकना पड़ता है किसानों का आरोप है कि करोड़ों रुपए की लागत से बनी पिपरसमा अनाज मंडी को सर्वसुविधायुक्त बनाया गया था। यहां शुद्ध पेयजल शौचालय रात्रि विश्राम स्थल और बड़े शेड जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं लेकिन अब प्रबंधन की लापरवाही के कारण अधिकांश व्यवस्थाएं बदहाल हो चुकी हैं। बुधवार को जब किसानों को पीने का पानी नहीं मिला तो उन्होंने विरोध शुरू कर दिया किसानों को बताया गया कि मंडी के बोरवेल की मोटर चोरी हो गई है जिसके कारण पानी की आपूर्ति बाधित है इसके बाद मंडी में एक पानी का टैंकर मंगवाया गया लेकिन कुछ ही देर में वह भी खाली हो गया। इससे किसानों और हम्मालों का गुस्सा और बढ़ गया हम्माल भी विरोध में शामिल प्रबंधन ने दिया आश्वासन बाद में हम्माल भी किसानों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए उन्होंने मंडी में जल्द स्थायी पेयजल व्यवस्था करने की मांग की काफी देर तक चले हंगामे के बाद मंडी प्रबंधन के आश्वासन पर मामला शांत हुआ वहीं इस पूरे मामले में मंडी सचिव बालेश शुक्ला से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

त्वरित सहायता से जहरीले पदार्थ का सेवन करने वाली महिला को समय पर मिला उपचार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। सिवनी जिले के थाना कुरई क्षेत्र में डायल-112 जवानों की त्वरित प्रतिक्रिया और संवेदनशील कार्यवाही से जहरीले पदार्थ का सेवन करने वाली एक महिला को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार दिलाया गया समय पर मिली सहायता से पीड़ित महिला को तत्काल चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जा सकी। 13 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना कुरई क्षेत्र अंतर्गत मोहगाँव तीतरी में एक महिला ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही कुरई थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया मौके पर पहुँचकर आरक्षक प्रफुल्ल सोनेकर एवं पायलट दिनेश राजपूत ने पाया कि अज्ञात कारणों से 25 वर्षीय महिला ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था जिससे वह बेहोश हो गई थी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डायल-112 जवानों ने बिना विलंब किए पीड़ित महिला को उसके परिजनों के साथ डायल 112 वाहन से तत्काल शासकीय अस्पताल कुरई पहुँचाया डायल-112 जवानों की संवेदनशीलता और समयबद्ध कार्रवाई से महिला को शीघ्र चिकित्सा सहायता मिल सकी। डायल 112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा हर आपात परिस्थिति में त्वरित सहायता और मानवीय संवेदनशीलता के साथ आमजन के जीवन की सुरक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

कठौतिया के पंकज ढाबे पर आबकारी नियमों की उड़ रही धज्जियां, परोसी जा रही मध्य प्रदेश की शराब

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के अंतर्गत आने वाले कठौतिया क्षेत्र में स्थित 'पंकज ढाबा' इन दिनों अवैध गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय सूत्रों और मिल रही शिकायतों के अनुसार, इस ढाबे में नियमों को ताक पर रखकर खुलेआम शराब पिलाई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि यहाँ न केवल स्थानीय शराब, बल्कि पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश से तस्करी कर लाई गई शराब भी ग्राहकों को परोसी जा रही है अवैध अहाते में तब्दील हुआ ढाबा नियमों के मुताबिक ढाबों पर शराब पिलाना कानूनी अपराध है सूत्रों के अनुसार लेकिन पंकज ढाबे पर स्थिति इसके उलट है यहाँ शाम ढलते ही महफिलें जमने लगती हैं। ढाबा संचालक द्वारा न सिर्फ शराब पीने की जगह उपलब्ध कराई जा रही है, बल्कि चोरी-छिपे शराब की बिक्री भी की जा रही है। इससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और आसपास के ग्रामीणों में भारी रोष है दूसरे राज्य की शराब का अवैध खेल सूत्रों के अनुसार एमसीबी जिला मध्य प्रदेश की सीमा से लगा होने के कारण तस्करों के लिए आसान रास्ता बना हुआ है। पंकज ढाबे में मध्य प्रदेश की शराब मिलना इस बात का प्रमाण है कि सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध परिवहन धड़ल्ले से जारी है। सस्ते दामों पर पड़ोसी राज्य से शराब लाकर यहाँ ऊंचे दामों पर खपाया जा रहा है जिससे शासन को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है प्रशासन की चुप्पी पर सवाल खुलेआम चल रहे इस अवैध कारोबार ने स्थानीय पुलिस और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य मार्ग पर स्थित होने के बावजूद इस ढाबे पर कार्रवाई न होना मिलीभगत की ओर इशारा करता है क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि जल्द से जल्द पंकज ढाबे पर दबिश दी जाए और अवैध शराब परोसने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

नर्मदापुरम ITI छात्र बोले- जनगणना में ड्यूटी से पढ़ाई प्रभावित

प्यून पर एनएसयूआई पदाधिकारी से बदतमीजी का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नर्मदापुर के शासकीय औद्योगिक संस्थान (ITI) के छात्र और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कलेक्टर के नाम एक पत्र सौंपा। इसमें बताया कि जनगणना कार्य में शिक्षकों के लगे होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने और कॉलेज के एक प्यून द्वारा अभद्रता करने की शिकायत की गई छात्र शरद चौरे ने बताया मेरी इलेक्ट्रिशन ट्रेड है हमारी क्लास रेगुलर नहीं लगती है 6 माह पहले एसआईआर में स्टॉफ व्यस्त रहे। अब जनगणना कार्य में ड्यूटी लगी है जिस वजह से क्लास नहीं लग रही अगले महीने परीक्षा हैं पढ़ाई प्रभावित होने से रिजल्ट खराब होने की आशंका है कांग्रेस के नगर अध्यक्ष कमलेश बाथरे ने नेतृत्व में तहसीलदार सरिता मालवीय को ज्ञापन सौंपा गया कांग्रेस के नगर अध्यक्ष कमलेश बाथरे ने नेतृत्व में तहसीलदार सरिता मालवीय को ज्ञापन सौंपा गया पढ़ाई की समस्या को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) नगर अध्यक्ष ऋतिक चौहान के साथ में प्रभारी प्राचार्य से मिलने पहुंचे थे तब आईटीआई में मौजूद कर्मचारी (प्यून) अभद्र भाषा का उपयोग किया हमें प्राचार्य से मिलने नहीं दिया गया शासकीय आईटीआई में छात्रों की परीक्षा जून जुलाई में प्रारंभ होने वाली है लेकिन शिक्षकों की अनुपस्थिति के कारण छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है हमारी मांग है कि अभद्रता करने वाले प्यून पर कार्रवाई हो शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज हो जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई का नुकसान न हो।

गेहूं खरीदी में लापरवाही पर कड़ा एक्शन: 3 केंद्र प्रभारी सस्पेंड, 12 समितियों को अपात्र करने का नोटिस

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन में अव्यवस्थाएं और अनियमितताएं बरतने पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशों के बाद सहकारिता उप आयुक्त ने मंगलवार शाम तीन खरीदी केंद्र प्रभारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया इसके साथ ही 12 समितियों को भविष्य की खरीदी प्रक्रियाओं से अपात्र घोषित करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है 11 मई को हुई टीएल बैठक में कलेक्टर ने उपार्जन प्रक्रिया की समीक्षा की थी जांच में सामने आया कि स्पष्ट निर्देशों के बावजूद कई समितियों ने हम्मालों की व्यवस्था नहीं की। इस जानबूझकर की गई लापरवाही के कारण केंद्रों पर तौल में भारी देरी हुई और किसानों के ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतारें लग गईं।

ये प्रभारी हुए सस्पेंड, प्रबंधकों पर भी गिरी गाज: ड्यूटी में लापरवाही पर बी-पैक्स सेमरीखुर्द के सहायक समिति प्रबंधक सुरेश कुमार चौरे, बीजी वेयर हाउस (खपरिया) के प्रभारी सुनील कुमार वर्मा और श्रीकृष्ण वेयरहाउस (बिसौनीकलां) के प्रभारी प्रद्युम्न कुमार यादव को सस्पेंड किया गया है रमपुरा सोसायटी के प्रबंधक धर्मेंद्र पाराशर खपरिया के संजय दुबे और कोठरा के सुनील मुकाती को नोटिस थमाकर जवाब तलब किया गया है। वहीं बैंक कैडर के दो प्रबंधकों- बिसौनीकलां के दयाशंकर दादोरिया और पगढाल के मानसिंह अहिरवार के खिलाफ विभागीय नियमों के तहत कार्रवाई के लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के सीईओ को निर्देशित किया गया है।

इन 12 समितियों से 3 दिन में मांगा गया जवाब: आगामी खरीदी से बाहर (अपात्र) करने के लिए डोलरिया खपरिया बिसौनीकलां नानपा पगढाल सोमलवाडा बागलखेडी ऑखमऊ कोठरा रमपुरा तरोनकलां और बनखेड़ी समितियों को नोटिस जारी किए गए हैं इन सभी को 3 दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण देना होगा जिसके आधार पर अंतिम कार्रवाई तय होगी।

खेल मैदान खोद डाला, श्मशान भी नहीं छोड़ा

गांव की सरकारी जमीन पर अवैध उत्खनन का आरोप, कलेक्टर से मिले ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के पोहरी विकासखंड के ग्राम खेरपुरा में शासकीय खेल मैदान और शमशान भूमि पर कथित अवैध मुरम उत्खनन को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को शिकायत सौंपकर आरोप लगाया है कि गांव की सरकारी जमीन से दिन-रात मशीनों के जरिए मुरम निकाली जा रही है इससे खेल मैदान गहरे गड्ढों में तब्दील हो गया है और शमशान भूमि भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर उत्खनन तत्काल बंद कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है बच्चों के खेल मैदान में बने बड़े गड्ढे ग्रामीणों के मुताबिक, खेरपुरा ग्राम पंचायत में सर्वे नंबर 472, 473, 474 और 475 की शासकीय भूमि पर लगातार खुदाई की जा रही है गांव के बच्चों के लिए यही एकमात्र खेल मैदान था, लेकिन अब वहां बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं सरपंच पुत्र अमर सिंह ने बताया कि लगातार हो रहे उत्खनन से बारिश के दौरान हादसों का खतरा बढ़ जाएगा। उनका कहना है कि गड्ढों में पानी भरने से बच्चों के डूबने जैसी घटनाएं हो सकती हैं।

शमशान भूमि प्रभावित होने का भी आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जिस जगह से मुरम निकाली जा रही है वह गांव की शमशान भूमि भी है जहां अंतिम संस्कार किए जाते हैं यदि इसी तरह अवैध उत्खनन चलता रहा तो भविष्य में ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के लिए भी परेशानी उठानी पड़ सकती है ग्रामीणों ने प्रशासन से राजस्व और खनिज विभाग की संयुक्त टीम भेजकर सीमांकन कराने, अवैध उत्खनन रुकवाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

खंडवा में गेहूं खरीदी केंद्र पर आगजनी, वेंटिलेशन से धुआं उठता दिखा फिर लपटें दिखी, किसानों ने टैंकर से बुझाई आग

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा के छैगांवमाखन क्षेत्र में एक गेहूं खरीदी केंद्र पर आगजनी का मामला सामने आया है। आग की चपेट में आने से गेहूं की दर्जनों बोरियां जल गई। किसानों ने धुआं उठता और आग की लपटें देखीं, जिसके बाद केंद्र पर मौजूद कर्मचारियों को जानकारी दी। इसके बाद टैंकर से पानी लाकर आग बुझाई गई। मौके पर फायर ब्रिगेड भी पहुंची, लेकिन तब तक आग पर काबू पा लिया गया था।

अष्टविनायक वेयरहाउस में लगी आग: घटना ग्राम पछाया स्थित अष्टविनायक वेयरहाउस की है। यहां गेहूं खरीदी कर गोदाम क्षेत्र में गेहूं से भरी बोरियों की थप्पियां लगाकर स्टॉक किया गया था। इसी स्टॉक एरिया में आग लग गई। घटना के समय वहां कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। वेयरहाउस के वेंटिलेशन से धुआं उठता दिखाई दिया। इसके बाद शटर खुलवाए गए तो अंदर आग की लपटें उठ रही थीं। हालांकि शटर लॉक नहीं थे।

अलग-अलग जगह लगी आग: आग अलग-अलग हिस्सों में लगी हुई थी। इससे आशंका जताई जा रही है कि किसी व्यक्ति ने आगजनी की घटना को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि अष्टविनायक वेयरहाउस के भीतर किसी भी तरह की इलेक्ट्रिक कनेक्टिविटी नहीं थी, जिससे शॉर्ट सर्किट की संभावना नहीं मानी जा रही। इसे किसी की सोची-समझी साजिश माना जा रहा है।

पानी से आग बुझाने में गेहूं भीगा

समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। अन्यथा वेयरहाउस में रखा हजारों मैट्रिक टन गेहूं जलकर राख हो सकता था। आग बुझाने के दौरान पानी का छिड़काव किया गया, जिससे गेहूं की कई बोरियां गीली हो गई। अब खरीदी केंद्र से जुड़ी एजेंसी इन बोरियों को सुखाने का काम करेगी।

प्रशासन पर मामला दबाने के आरोप लगे

इधर, जिला प्रशासन पर मामले को दबाने की कोशिश करने के आरोप भी लग रहे हैं। गेहूं खरीदी की नोडल एजेंसी नागरिक आपूर्ति निगम, कृषि विभाग और मार्कफेड के अधिकारी मामले में चुप्पी साधे हुए हैं।

पुलिस बोली- सूचना नहीं दी गई:

थाना छैगांवमाखन पुलिस का कहना है कि उन्हें इस मामले की सूचना नहीं दी गई थी। आग की जानकारी सीधे पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई थी, जहां से फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

शादी में आए चचेरे भाइयों की बैराज में डूबकर मौतः जम्मू से छतरपुर पहुंचे थे युवक

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र स्थित सिंघपुर बैराज डैम में हादसा हो गया। शादी समारोह में शामिल होने जम्मू से गांव आए दो चचेरे भाइयों की डैम में डूबने से मौत हो गई। ह्ष्ठक्रस्न और पुलिस की टीम ने सोमवार रातभर सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसके बाद दोनों के शव डैम से बरामद किए गए। जानकारी के मुताबिक, ग्राम दीवान जी का पुरवा, मटौंधा निवासी गोरेलाल अहिरवार के घर शादी समारोह था। परिवार की रिश्तेदारी से जम्मू से करीब 10 से 12 युवक गांव आए थे और सभी युवक घूमने और नहाने के लिए सिंघपुर बैराज डैम पहुंच गए। नहाने के दौरान 21 वर्षीय रोहित अहिरवार और 14 वर्षीय दुलीचंद उर्फ ओम अहिरवार गहरे पानी में चले गए। साथियों ने दोनों को डूबता देखा तो शोर मचाया। मौके पर आसपास के ग्रामीण पहुंचे और तलाश शुरू की, लेकिन तब तक दोनों युवक पानी में लापता हो चुके थे। सूचना मिलते ही महाराजपुर थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। देर शाम की टीम को बुलाया गया और रातभर डैम में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। मंगलवार को टीम ने दोनों युवकों के शव डैम से बाहर निकाले। घटना के बाद शादी वाले घर की खुशियां मातम में बदल गईं। परिजनों ने बताया कि सभी युवक सामान्य तरीके से नहा रहे थे, तभी अचानक दोनों गहरे पानी में चले गए और हादसा हो गया। पुलिस ने शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। परिजन संजू अहिरवार और सोनू अहिरवार ने बताया कि परिवार में शादी की खुशियां थीं, लेकिन अचानक हुए हादसे ने सबकुछ बदल दिया। दोनों परिवार के बेहद करीब थे।

गंजबासौदा में 23 मई को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के गंजबासौदा नगर में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार 23 मई को एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा विदिशा एवं जेके हास्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में उत्कृष्ट विद्यालय (एक्सीलेंस) स्कूल, जय स्तंभ चौराहा, कोतवाली के सामने, गंजबासौदा में आयोजित होगा। शिविर का समय प्रातः 10:30 बजे से सायं 3:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। आयोजकों द्वारा बताया गया कि शिविर में आमजन को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श तथा आवश्यक उपचार सेवाएं प्रदान की जाएंगी। क्षेत्र के मरीजों एवं नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा, नगरीय निकाय तथा अन्य विभागों के सहयोग से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ प्राप्त कर सकें। आयोजन समिति द्वारा संबंधित विभागों से अनुरोध किया गया है कि स्वास्थ्य शिविर के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। साथ ही संभावित भीड़ एवं यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त पुलिस बल एवं यातायात प्रबंधन की व्यवस्था करने का भी आग्रह किया गया है। यह स्वास्थ्य शिविर क्षेत्र के नागरिकों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा तथा लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ निःशुल्क प्राप्त हो सकेगा।

'ज्ञान भारतम' एप पर दर्ज हुईं 101 प्राचीन पांडुलिपियां, डिजिटल संरक्षण से सुरक्षित होगी जिले की सांस्कृतिक और ज्ञान विरासत

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में संरक्षित 101 प्राचीन पांडुलिपियों का विवरण 'ज्ञान भारतम' एप पर अपलोड किया गया। इसके साथ ही सारू-मारू की गुफाओं में स्थित सिलालेख को भी ज्ञान भारतम एप पर अपलोड किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य दुर्लभ धार्मिक, ऐतिहासिक एवं ज्ञानवर्धक पांडुलिपियों को डिजिटल माध्यम से सुरक्षित कर आने वाली पीढ़ीयों तक पहुंचाना है। इस अवसर पर मंदिर में संरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों का अवलोकन किया गया तथा उनकी विषय-वस्तु, भाषा, संरक्षण की स्थिति एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों को एप पर अपलोड किया गया। कई पांडुलिपियां वर्षों पुरानी हैं, जिनमें भारतीय ज्ञान परंपरा, धर्म, दर्शन, संस्कृति एवं समाज से जुड़ी अमूल्य जानकारी सुरक्षित है। समय के साथ कागज एवं हस्तलिखित दस्तावेज नष्ट होने लगते हैं, ऐसे में उनका डिजिटल दस्तावेजीकरण अत्यंत आवश्यक हो जाता है। 'ज्ञान भारतम' एप जैसी पहलें न केवल धरोहर संरक्षण का माध्यम बन रही हैं, बल्कि शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और प्राचीन ज्ञान से जोड़ने का कार्य भी कर रही हैं। डिजिटल संरक्षण से दुर्लभ पांडुलिपियां विश्व स्तर पर भी अध्ययन और शोध के लिए उपलब्ध हो सकेंगी। यह पहल हमारी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले के नागरिकों से अपील है की कि वे अपने घरों, मंदिरों एवं निजी संग्रहों में सुरक्षित प्राचीन दस्तावेजों, पांडुलिपियों और ऐतिहासिक सामग्री को संरक्षित एवं डिजिटल रूप से सुरक्षित करने के लिए आगे आएं, ताकि हमारी गौरवशाली विरासत आने वाली पीढीयों तक सुरक्षित पहुंच सके। इस अवसर पर 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर छावनी सीहोर राजकुमार जैन, गौरव अंकुर जैन, ई दक्ष केंद्र डॉ. गणेश लाल जैन, डॉ. प्रमिला जैन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सीहोर उपस्थित थे।

भीषण गर्मी में राहत का सहारा बने प्याऊ, पशु-पक्षियों के लिए भी विशेष इंतज़ाम

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में भीषण गर्मी के बीच आमजन एवं पशु-पक्षियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से नगरीय निकायों द्वारा व्यापक स्तर पर पेयजल व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। कलेक्टर अंशुल गुप्ता की विशेष पहल का क्रियान्वयन जिले की सभी नगरीय निकायों ने मानवता एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जनसहयोग के साथ मिलकर विभिन्न स्थानों पर प्याऊ स्थापित किए गए हैं। वर्तमान तक जिले की समस्त नगरीय निकायों द्वारा आमजन की सुविधा के लिए 82 प्याऊ स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें नगर निकायों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है। आवश्यकता के अनुसार आगे भी संयुक्त प्रयासों से नए प्याऊ स्थापित किए जा रहे हैं ताकि लोगों को गर्मी के दौरान शीतल पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सके। इन प्याऊओं में कहीं मटकों एवं पानी की टंकियों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, तो कई स्थानों पर आधुनिक वॉटर कूलर भी लगाए गए हैं। बाजारों, बस स्टैंड, सार्वजनिक स्थलों एवं अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में इन व्यवस्थाओं से राहगीरों एवं आमजन को बड़ी राहत मिल रही है। विशेष पहल के अंतर्गत केवल लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी गर्मी से राहत के इंतज़ाम किए गए हैं। नगरीय निकायों द्वारा मवेशियों के लिए विभिन्न स्थानों पर पानी के हौद बनाए गए हैं, ताकि उन्हें पर्याप्त पानी मिल सके। वहीं पक्षियों के लिए पेड़ों पर पानी से भरे सकोरे टांगे जा रहे हैं, जिससे भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत मिल सके। इसके अतिरिक्त निकायों द्वारा आवारा कुत्तों के भोजन हेतु भी स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं, जहां नियमित रूप से भोजन एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जिले में मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी यह पहल नागरिकों के बीच सराहना का विषय बनी हुई है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी जाबिर खान को निर्देशित किया है।

बारिश और मौसम की मार से तेंदूपत्ता तुड़ाई में देरी, पत्ता अभी लाल व नरम

मीडिया ऑडीटर, शाहपुर (निप्र)। मौसम के लगातार उतार-चढ़ाव और बीच-बीच में हुई बारिश के कारण इस बार तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य प्रभावित हो गया है। सामान्यतः 7 से 10 मई के बीच शुरू होने वाला संग्रहण कार्य अब तक प्रारंभ नहीं हो सका है। वन विभाग और समितियों के अनुसार अभी तेंदूपत्ता लाल और नरम है। इसलिए वह तुड़ाई योग्य नहीं माना जा रहा है। गत सप्ताह हुई आंधी और बारिश से कई क्षेत्रों में पत्ते कट-फट भी गए हैं। शाहपुर और भौंरा रेंज में इस बार तेंदूपत्ता की स्थिति अच्छी मानी जा रही थी। मौसम की मार के कारण संग्रहण कार्य में देरी हो रही है। ब्लॉक की शाहपुर और भौंरा रेंज में साढ़े आठ हजार से अधिक संग्राहक तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य से जुड़े हैं। संग्रहण में देरी होने से इनकी आय प्रभावित हो रही है। शाहपुर रेंज में इस वर्ष 4,800 मानक बोरा और भौंरा रेंज में 9,920 मानक बोरा संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। यदि दोनों समितियां लक्ष्य पूरा करती हैं तो संग्राहकों के पास करीब 5 करोड़ 88 लाख 80 हजार रुपए पहुंचेंगे। इस वर्ष तेंदूपत्ता खरीदी 4 हजार रुपए प्रति मानक बोरा की दर से होगी। शाहपुर वनोपज समिति प्रबंधक प्रकाश सरियाम ने बताया कि इस बार समिति का संग्रहण लक्ष्य बढ़ा है।

इटारसी से गुजरने वाली कई ट्रेनें रद्द, डायवर्ट रहेंगी, 16 से 18 मई तक पुणे मंडल में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य होगा

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। मध्य रेलवे के पुणे रेल मंडल में दौंड-मनमाड रेल लाइन को दोहरा करने का काम चल रहा है। इस वजह से 16 से 18 मई तक 'नॉन इंटरलॉकिंग' का काम किया जाएगा।

इस काम का असर इटारसी स्टेशन से गुजरने वाली कई ट्रेनों पर पड़ेगा, जिनमें से कुछ को रद्द कर दिया गया है और कुछ के रास्ते बदल दिए गए हैं।

रेलवे ने बताया कि 14 से 18 मई के बीच कुल आठ ट्रेनें नहीं चलेंगी। इनमें पुणे-गोरखपुर स्पेशल, गोरखपुर-हडपसर स्पेशल, पुणे-दानापुर स्पेशल, दानापुर-हडपसर स्पेशल, झांसी-हडपसर स्पेशल और जबलपुर-पुणे स्पेशल जैसी गाड़ियां शामिल हैं।

रास्ते में बदलाव और नए स्टॉपेजः काम की वजह से कई बड़ी ट्रेनों को उनके पुराने रास्ते के बजाय दूसरे रास्तों से चलाया जाएगा। इनमें हजरत निजामुद्दीन-यशवंतपुर, बेंगलुरु-नई दिल्ली और जम्मूतवी-पुणे एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें शामिल हैं। ये ट्रेनें अब मनमाड, नाशिक, कल्याण और पनवेल के रास्ते होकर निकलेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए हडपसर-बनारस एक्सप्रेस को पनवेल और नाशिक जैसे स्टेशनों पर रुकने की व्यवस्था भी की गई है।

यात्रियों के लिए सलाहः सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने कहा है कि रास्ते बदलने की वजह से कुछ स्टेशनों पर ट्रेनों के पुराने स्टॉपेज छूट सकते हैं। ऐसे में यात्री घर से निकलने से पहले रेलवे की पूछताछ सेवा या मोबाइल ऐप के जरिए अपनी ट्रेन की ताजा स्थिति जरूर चेक कर लें। रेलवे का कहना है कि भविष्य में सफर को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए यह काम जरूरी है।

सागर में प्रेमी ने युवती को घर बुलाकर पीटा, भाई का आरोप- जबरन कीटनाशक पिलाया

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के जरुआखेड़ा पुलिस चौकी क्षेत्र में एक 20 वर्षीय युवती के साथ मारपीट और उसे कीटनाशक पिलाने का मामला सामने आया है। गंभीर हालत में युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर पीड़िता के बयान दर्ज कर लिए हैं और जांच शुरू कर दी है।

शादी से मुकरा, घर बुलाकर परिजनों के साथ पीटाः पीड़िता के अनुसार, उसका पिछले तीन साल से नीलेश कुशवाहा के साथ प्रेम प्रसंग था। नीलेश ने पहले शादी का वादा किया था, लेकिन हाल ही में उसने किसी अन्य लड़की से शादी कर ली। जब युवती ने इस बारे में बात करने के लिए कहा, तो नीलेश ने उसे अपने घर बुलाया। आरोप है कि वहां नीलेश और उसके परिवार वालों ने उसके साथ मारपीट की।

नर्मदापुरम में भीषण गर्मी का असरःदोपहर में सड़कों पर पसरा सन्नाटा, रात में 28 डिग्री के पार तापमान

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में भीषण गर्मी का दौर लगातार जारी है। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों का हाल बेहाल हो रहा है। दोपहर के समय तपन इतनी बढ़ जाती है कि लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं।

दोपहर के समय घर से नहीं निकल रहे लोगः मंगलवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच कोठी बाजार, कलेक्ट्रेट रोड समेत शहर की कई प्रमुख सड़कों पर सन्नाटा नजर आया। इक्का-दुक्का लोग ही आते-जाते दिखाई दिए। जिले में दिन का तापमान लगातार 41 से 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग ने मंगलवार को भी तापमान 42 डिग्री के पार पहुंचने की संभावना जताई है।

दिन के साथ अब रातें भी गर्म होने लगी हैं। मंगलवार को जिले का न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गर्मी बढ़ने से लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है।

पचमढ़ी में भी बढ़ा तापमानः हिल स्टेशन पचमढ़ी भी गर्मी की चपेट में है। यहां पर्यटक और स्थानीय लोग गर्मी से परेशान हैं। सोमवार को पचमढ़ी का अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले चार दिनों में दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ोतरी हो सकती है। विभाग ने लोगों को दोपहर में धूप से बचने, पर्याप्त पानी पीने और हीट वेव के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है।

नर्मदापुरम, पचमढ़ी का पांच दिनों का तापमानः

तारीख	नर्मदापुरम	पचमढ़ी
7 मई	41.2ए	35.6ए
8 मई	39.4ए	36.2ए
9 मई	39.0ए	35.6ए
10 मई	42.0ए	36.4ए
11 मई	41.4ए	35.2ए

रायसेन में जुआ खेलते सात लोग पुलिस के हत्थे चढ़े, ताश, नकदी और ढाई लाख के वाहन जब्त

तीन आरोपी मौके से फरार हुए

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन शहर में अवैध जुआ-सट्टा और शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को कार्रवाई की। पुलिस ने जुआ खेलते हुए सात लोगों को पकड़ा, जिनमें से चार आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। तीन अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है।

पुलिस ने मौके से ताश के पत्ते, नकदी और करीब ढाई लाख रुपए कीमत के पांच वाहन जब्त किए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र गोयल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इस अभियान को अंजाम दिया।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग एक स्थान पर ताश के पत्तों से रुपए-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी और सात लोगों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

इन्हें किया गया गिरफ्तारः गिरफ्तार किए गए आरोपियों में फौजदार मोहल्ला निवासी कलिम खान, अर्जुन नगर निवासी महेश सेन, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी विनोद मालवीय और ताजपुर रोड निवासी दीपक रैकवार शामिल हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 52 ताश के पत्ते, 4200 रुपए नकद और पांच दोपहिया वाहन जब्त किए हैं। जब्त किए गए वाहनों की अनुमानित कीमत लगभग 2.50 लाख रुपए बताई गई है।

कार्रवाई के दौरान तीन आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत मामला दर्ज कर आगे की विवेचना शुरू कर दी गई है।

इस कार्रवाई में निरीक्षक नरेंद्र गोयल, एसआई मोहन सिंह कुमरे, एसआई बृजमोहन साहू, प्रधान आरक्षक माखन उइके, सतेन्द्र लोधी, महादेव उइके, मनेश भलावी, गोविंद वरदे, आरक्षक शशांक दीक्षित और संदीप जैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला पुलिस लाइन के सामने चाकूबाजी, निजी स्वास्थ्यकर्मी घायल, खरगोन में रंजिश के शक पर सिर-गला-सीने में हमला

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में जिला पुलिस लाइन के सामने मंगलवार दोपहर करीब 11:45 बजे एक निजी स्वास्थ्य कर्मी पर चाकू से हमला किया गया। घायल युवक नरेंद्र सोलंकी, जो भीकनगांव निवासी हैं, को जिला अस्पताल के आपातकालीन सुरक्षा इकाई (आईसीयू वार्ड) में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, उनके सिर, गले और सीने में गंभीर चोटें आई हैं, हालांकि उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के प्रत्यक्षदर्शी और पीड़ित के साथी ने बताया कि नरेंद्र सोलंकी एक निजी अस्पताल में कार्यरत हैं। डालकी निवासी विक्की सोलंकी ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमलावर युवक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। चाकूबाजी का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर रंजिश की आशंका जताई जा रही है। दिनदहाड़े हुई इस घटना की सूचना मिलने पर जैतापुर पुलिस ने जानकारी जुटाई है।

टेनिस खिलाड़ी पुरस्कार राशि के मामले में अब पीछे नहीं हटेंगे : पेगुला

खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व का बड़ा हिस्सा मिले

रोम ,एजेंसी । टेनिस जगत में खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। अब इस अभियान का नेतृत्व कर रही अमेरिकी महिला टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने कहा है कि खिलाड़ी अब अपनी इस मांग से पीछे नहीं हटेंगे। पेगुला ने कहा कि यह सही समय है जब खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व में एक बड़ा मिलना चाहिए। वहीं इससे पहले विश्व नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर और महिला वर्ग की नंबर-1 खिलाड़ी एरीना सबालेंका ने भी कहा था कि पुरस्कार राशि बढ़ायी जानी चाहिये। गई है।

पेगुला खिलाड़ियों को इस मामले को लेकर एक मंच पर लाने का प्रयास भी कर रही हैं। । उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों से इस मामले में सीधे बात करने और उन्हें एकसाथ लाने में उन्हें कोई परेशानी नहीं है। पेगुला ने कहा, मैं किसी भी खिलाड़ी के पास जाकर पूछ सकती हूं कि क्या वह इस मामले में हमसे सहमत है या नहीं । साथ ही कहा कि कुछ खिलाड़ी शायद इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी पूरी तरह से समर्थन में हैं। वह पुरुष और महिला दोनों वर्गों के खिलाड़ियों से लगातार संपर्क कर रही हैं और उन्हें इस अभियान में शामिल कर रही हैं।

पेगुला ने संकेत दिया कि अन्य प्रमुख पेशेवर खेलों की तुलना में टेनिस खिलाड़ियों को उनके योगदान के बदले काफी कम हिस्सा मिलता है। उन्होंने एनएफएल (नेशनल फुटबॉल लीग) और एनएचएल (नेशनल हॉकी लीग) जैसी लीगों का उदाहरण देते हुए कहा कि उसमें खिलाड़ियों को लीग के कुल राजस्व का लगभग 50 फीसदी हिस्सा मिलता है। इसके विपरीत, अधिकतर टेनिस टूर्नामेंटों में खिलाड़ियों का यह हिस्सा बहुत कम रहता है। खिलाड़ियों द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, फ्रेंच ओपन जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भी खिलाड़ियों को कुल राजस्व का 14.9 फीसदी से भी कम हिस्सा मिलता है, जो कि अन्य खेलों की तुलना में एक बड़ा अंतर है। वहीं पिछले सप्ताह बेलारुस की, एरीना सबालेंका ने भी इस मामले को उठाया था और कहा था कि यदि खिलाड़ियों को उनका उचित हिस्सा नहीं मिलता, तो उन्हें बहिष्कार जैसे कड़े कदमों पर भी विचार करना चाहिए। वहीं यानिक सिनर ने टूर्नामेंट आयोजकों पर खिलाड़ियों के प्रति सम्मान की कमी का आरोप लगाया था। पेगुला ने इन दोनों शीर्ष खिलाड़ियों के समर्थन की सराहना करते हुए कहा कि जब दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी किसी मुद्दे पर खुलकर बोलते हैं, तो उनकी बात को नजरअंदाज करना असंभव हो जाता है।

इटैलियन ओपनः कोको गॉफ ने मिरा एंड्रीवा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

रोम ,एजेंसी । अमेरिका की कोको गॉफ ने रूस की मिरा एंड्रीवा को हराकर इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी कोको गॉफ को नंबर 8 सीड एंड्रीवा के खिलाफ तीसरे सेट में लगभग 5-1, दो-ब्रेक की बढ़त के साथ, 4-6, 0-2, 6-4 से जीत हासिल करने के लिए पांच मैच पॉइंट्स की जरूरत पड़ी। एंड्रीवा ने पहले सेट में 3-1 की बढ़त बनाई और कई बार इसे अच्छे से संभाला। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के मुताबिक, पहले सेट में, एंड्रीवा ने 10 विनर और सिर्फ सात अनफोर्स्ड एरर के साथ खत्म किया, और गॉफ के लिए इसका उल्टा हुआ। गॉफ ने 3-0 की बढ़त बनाई, एक ब्रेक लिया, और दूसरे सेट में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। एंड्रीवा ने दूसरे सेट में 11 अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे गॉफ ने डिसाइडर सेट के लिए मजबूर कर दिया। शुरू में ऐसा लगा कि गॉफ 5-1 की बढ़त के साथ डबल ब्रेक लेकर जीत जाएंगी। गॉफ ने दूसरे सेट से ही मोमेंटम बनाए रखा था और एंड्रीवा की गलतियों का फायदा उठाया।

कोको गॉफ का सेमीफाइनल मुकाबला सोराना सिर्स्टिया से होगा। इस सीजन में गॉफ का रोमानियाई सिर्स्टिया से तीसरा मुकाबला लगातार दूसरे टूर्नामेंट में होगा। अमेरिकी खिलाड़ी अपने 15वें 1000-लेवल डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में पहुंची हैं। वहीं, 2026 में दुबई और मियामी ओपन के बाद तीसरे सेमीफाइनल में गॉफ ने जगह बनाई है। ओपन एरा में नथाली तौजियात (1989) के बाद इटैलियन ओपन में पहुंचने के लिए तीन या उससे ज्यादा कमबैक जीत हासिल करने वाली वह सिर्फ दूसरी खिलाड़ी हैं। कोको गॉफ ने पिछले सीजन में भी इटैलियन ओपन का फाइनल खेला था। गॉफ को हार का सामना करना पड़ा था। जैस्मीन पाओलिनी ने फाइनल में कोको गॉफ को 6-4, 6-2 से हराकर खिताब जीता था।

टी20 क्रिकेट में बल्लेबाज हो रहे हावी, गेंदबाजों को करने होंगे बदलाव द्रविड़

डबलिन ,एजेंसी । भारतीय किकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि आजकल के किकेट जिस दौर में पहुंच गया है वहां बल्लेबाज हावी नजर आते हैं और गेंदबाजों की भूमिका उनके मुकाबले कमजोर नजर आती है। द्रविड़ के अनुसार इस प्रकार के हालातों में अपना दबदबा फिर से बनाने के लिए गेंदबाजों को अपने में बदलाव करना होगा। तभी वे बदलते हुए दौर में टिक पायेंगे। इस पूर्व कप्तान मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजों ने खेल को पूरी तरह से बदल दिया है, जबकि गेंदबाज अभी भी उस स्तर तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

डबलिन में यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) से जुड़े एक कार्यकम के दौरान द्रविड़ ने कहा कि टी20 किकेट में बल्लेबाजी का स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। साथ ही कहा, पिछले दो-तीन साल में बल्लेबाजी में जिस तरह का बदलाव आया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि गेंदबाजों को उस स्तर तक पहुंचने के लिए अब काफी मेहनत करनी होगी। द्रविड़ ने विशेष रूप से युवा भारतीय बल्लेबाजों की भी प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन लोगों ने पावरप्ले में बल्लेबाजी के अंदाज को ही बदल दिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, आयुष मात्रे और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ियों का जिक किया, जो अब मैदान के हर हिस्से में बड़े शॉट खेलते हैं। द्रविड़ ने साथ ही कहा कि आजकल बल्लेबाजी कौशल, छक्के लगाने की क्षमता और मैदान के अलग-अलग हिस्सों में शॉट खेलने की कला पहले से कहीं बेहतर हुई है, जिसने गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया है। साथ ही कहा कि आज के इस दौर में गेंदबाजों को भी विविधता लानी होगी ।

उन्होंने कहा, अगर संतुलन की बात करें तो फिलहाल बल्लेबाज, गेंदबाजों की तुलना में टी20 किकेट की मांगों के हिसाब से ज्यादा बेहतर तरीके से ढले हैं। हालांकि, द्रविड़ को उम्मीद है कि आने वाले समय में गेंदबाज इसका सामना बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

द्रविड़ ने इस बात पर भी जोर दिया कि सपाट पिचों पर गेंदबाजों के लिए लगातार सफल होना आसान नहीं है और उन्हें कुछ अतिरिक्त सहायता की जरूरत होगी। इसके लिए विकेट को थोड़ा चुनौतीपूर्ण बनाना होगा ताकि गेंदबाजों को भी सहायता मिले। साथ ही कहा कि कोई भी ऐसा बदलाव जो गेंदबाजों की सहायता करें वह किया जाना चाहिये। तभी गेंद और बल्ले में संतुलन आयेगा। उन्होंने कहा कि किकेट पूरी तरह से बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पक्ष में झुका नजर नहीं आना चाहिये।

भारतीय महिला हॉकी टीम नेशंस कप से पहले ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी

नई दिल्ली ,एजेंसी । हॉकी इंडिया ने घोषणा की है कि भारतीय महिला हॉकी टीम आने वाले एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप न्यूजीलैंड 2025-26 की तैयारियों के लिए 21 मई से 3 जून तक ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप का आयोजन 15 से 21 जून तक ऑकलैंड में होने वाला है। भारतीय महिला हॉकी टीम 26 से 30 मई तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। पहले दो मैच 26 और 27 मई को खेले जाएंगे, जबकि बाकी दो मैच 29 और 30 मई को खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद, टीम न्यूजीलैंड जाएगी, जहां टीम नेशंस कप से पहले अभ्यास मैच खेलेगी।

साल की शुरुआत में भारतीय टीम ने अर्जेंटीना का दौरा किया था। दौरे पर भारतीय टीम 4 मैच खेली थी जिसमें से 2 में जीत दर्ज किया था। इस यादगार दौरे के बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जा रही है। अर्जेंटीना दौरे के बाद भारतीय टीम साई बेंगलुरु में नेशनल कैंप में कड़ी ट्रेनिंग कर रही है और आगामी व्यस्त कार्यकम से पहले अपनी कमजोरियों को सुधारने पर काम कर रही है।

आनंदना, कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन के सपोर्ट से, टीम के ड्रैग-फ्लिकर 26 मई से 21 जून तक पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) और ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) में डच लेजेंड ताके ताकेमा के साथ एक स्पेशल ड्रैगफ्लिक ट्रेनिंग क्लिनिक में भी जाएंगे। मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, बहुत खुशी है कि हॉकी इंडिया की वजह से यह टूर संभव हुआ है। हमें अपनी कमियों को पहचानने और कैंप के बाद अपने सुधारों को भी पहचानने में मदद मिलेगी। हमने देखा है कि जब हमने अर्जेंटीना के साथ खेला था तो बेंचमार्क क्या था, अब हम टेस्ट कर सकते हैं कि हम अपनी पिछली दो जीत के स्तर तक पहुंचने और मोमेंटम बनाए रखने के कितने करीब हैं।

उन्होंने कहा कि यह टूर न्यूजीलैंड जाने से पहले टीम को कंडीशन के हिसाब से ढलने में कैसे मदद करेगा।

लंबी फ्लाइट लेने के बजाय हमने सफर को टुकड़ों में किया ताकि माहौल के हिसाब से ढलने का काम तेजी से हो सके। न्यूजीलैंड में मौसम ज्यादा ठंडा होता है और ऑस्ट्रेलिया (पर्थ) में हालात भी उसके करीब होंगे।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले अकेले अभ्यास करते दिखे पांड्या

मुंबई ,एजेंसी । मुम्बई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। टीम को अब गुरुवार को बचे हुए लीग मैच में पंजाब किंग्स से खेलना है। मुम्बई की टीम इस मैच में जीत के साथ ही अपना खोया मनोबल हासिल करने का प्रयास करेगी। टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी इस सत्र में अच्छा नहीं रहा और वह आलोचकों के निशाने पर हैं। पांड्या फिट नहीं होने के कारण पिछले दो मैचों से बाहर थे। अब उनका लक्ष्य गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। इसी को देखते हुए पांड्या अकेले ही नेट्स में अभ्यास करते दिखे। इससे साफ है कि वह पंजाब के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। इससे टीम और प्रशंसकों के बीच उम्मीदें जगी हैं। हालांकि फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। पांड्या ने अभ्यास का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी कर अपने फिट होने के संकेत दिये हैं।

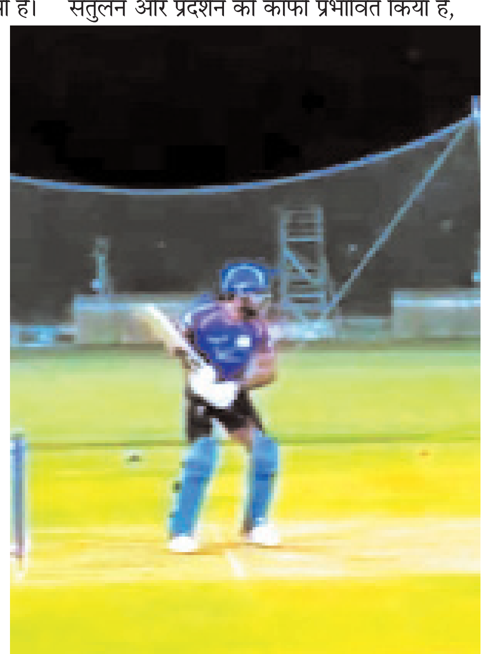

हार्दिक इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे। पीठ की समस्या के कारण उनकी अनुपस्थिति ने टीम के संतुलन और प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया है, खासकर जब टीम इस सीजन में लगातार संघर्ष कर रही है। अब, पंजाब किंग्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उनके नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास करते हुए देखा जाना उनके फिटनेस हासिल करने का एक सकारात्मक संकेत है।

मुंबई पहले ही आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, जिसके बाद टीम के भीतर और बाहर कई सवाल उठे हैं। इन हालातों के बीच, पांड्या ने टीम के भविष्य और रणनीति पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, टी20 किकेट में उतार-चढ़ाव आना तय है।

जब सीजन खत्म हो जाएगा, तब सही समय होगा कि क्या गलत हुआ, इसका सही आकलन किया जाए। लेकिन इस समय मेरी राय है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपनी पूरी कोशिश की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाला यह मैच मुंबई इंडियंस के लिए अंक तालिका में केवल एक औपचारिकता है। मुंबई का लक्ष्य अब सम्मानजनक प्रदर्शन करते हुए अपने अभियान का अंत करना होगा, जिससे अगले सीजन के लिए एक मजबूत नींव रखी जा सके।

हम किसी खास स्टाइल की क्रिकेट नहीं खेलते, एसआरएच को हराने के बाद बोले जीटी कप्तान शुभमन गिल

अहमदाबाद ,एजेंसी । आईपीएल 2026 में मंगलवार को नरेंद्र मोदी किकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 82 रन से हराने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल काफी खुश नजर आए। जीटी की लगातार पांचवी जीत थी और इस जीत के साथ टीम अंकतालिका में पहले स्थान पर चली गई है। जीटी कप्तान ने जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया। मैच के बाद शुभमन गिल ने कहा, हमें पता था कि इस विकेट पर 170 का स्कोर मुश्किल होने वाला था। हमने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। हमने मैच से पहले गेंदबाजी को लेकर योजना बनाई थी और उसे पूरी तरह कार्यान्वित करने में सफल रहे। हम पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। साई सुदर्शन और वाशिंगटन सुंदर की तारीफ करते हुए गिल ने कहा, मुझे लगता है कि दोनों ने शानदार बल्लेबाजी की। उनके बिना 170 तक पहुंचना मुश्किल था। अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंचने पर गिल ने कहा, यह सब लगातार अच्छा खेलने की वजह से संभव हो सका।

हम उस तरह की टीम नहीं हैं जो किसी खास स्टाइल या ब्रांड का किकेट खेलती हो। हम ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो विकेट को देखे, कंडीशन का अंदाजा लगाए और उसके मुताबिक खेले।

जीत से उत्साहित शुभमन बोले हालातों के अनुसार बनाते हैं रणनीति

अहमदाबाद ,एजेंसी । गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 मुकाबले में मिली जीत पर खुशी जतायी है। शुभमन ने कहा कि टीम को ये शानदार जीत गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन से मिली है। गुजरात ने जिस प्रकार से इस सत्र में उतार-चढ़ाव के बाद शीर्ष पर स्थान बनाया है उससे भी प्रशंसकों ने उसकी सराहना की है। वहीं शुभमन ने कहा कि उनकी टीम ने किसी खासा शैली को नहीं अपनाया है, उनकी टीम हालातों के अनुसार रणनीति बनाती है। इसी के साथ ही गुजरात ने लगातार पांचवां मुकाबला जीता।

मैच के बाद शुभमन ने कहा, हमें अच्छी तरह पता था कि इस विकेट पर 170 का स्कोर बनाना काफी कठिन होगा और उसका बचाव करना उससे भी मुश्किल रहेगा।

रियल बेटिस ने एल्चे पर जीत के साथ चैंपियंस लीग में जगह बनाई

मैड्रिड ,एजेंसी । रियल बेटिस ने अगले सीजन के लिए यूईएफए चैंपियंस लीग में अपनी जगह बना ली है। बेटिस ने एल्चे पर 2-1 से जीत के साथ ही ला लीगा में पांचवां स्थान हासिल करते हुए अगले सीजन के लिए यूईएफए चैंपियंस लीग में जगह बनाई है। बेटिस के लिए पाब्लो फोर्नल्स ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने नौवें मिनट में कुचो हर्नांडेज को पहला गोल करने का मौका दिया और फिर 68वें मिनट में पेनल्टी एरिया के बाहर से एक शानदार कर्लिंग शॉट से विजयी गोल किया। एल्चे ने 41वें मिनट में हेक्टर फोर्ट के जरिए बराबरी कर ली, लेकिन उनकी वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा जब लियो पेट्रोट को एंटनी पर देर से चुनौती देने के लिए सीधे रेड कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया गया। इस नतीजे से बेटिस का 21 साल में पहली बार चैंपियंस लीग में खेलना पक्का हो गया।

वहीं, सेल्टा विगो की उम्मीदें लेवांटे से 3-2 से हार के साथ खत्म हो गई। लेवांटे सेल्टा विगो पर जीत के बाद बॉटम थ्री से बाहर आ गया। सेल्टा के लिए फेरान जुटग्ला ने चौथे और 48वें मिनट में गोल किए, लेकिन केर्विन अरियागा और एड्रियन डे ला फुएंते ने दो बार बराबरी की, इससे पहले रोजर ब्रुग ने गोल किया जो लेवांटे के रेलीगेशन की लड़ाई में अहम साबित हो सकता था।

सुशासन तिहार- भड़ेसर और नवागढ़ में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत सामग्री, दस्तावेज एवं सहायता राशि का वितरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के नगर पंचायत नवागढ़ के प्रगति क्लब तथा जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत भड़ेसर के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए गए। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने भड़ेसर में आयोजित शिविर का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए

स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाए तथा पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत लाभान्वित किया जाए।

शिविर में अतिथियों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास की चाबियां प्रदान की गई। इसके साथ ही मनरेगा जॉब कार्ड, राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण स्वीकृति पत्र, श्रम कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, सुपोषण किट, ऋण पुस्तिका सहित विभिन्न योजनाओं के तहत सामग्री एवं सहायता राशि वितरित की गई। स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के लिए ऋण स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत भड़ेसर से कुल 716 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 690 मांग एवं 26 शिकायतें शामिल थीं।

कच्चे छप्पर से पक्के आशियाने तक का सफर

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बरसात की हर रात अनिता और उनके परिवार मन में भय लेकर आती थी। टपकती छत, मिट्टी की कमजोर दीवारें और हर मौसम में उजड़ने का भय, यही उनकी जिंदगी की सच्चाई थी। लेकिन अब वही अनिता अपने पक्के घर की चौखट पर खड़ी होकर सुकून और आत्मविश्वास के साथ भविष्य के सपने देख रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके जीवन की तस्वीर ही बदल दी है। जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा से करीब 22 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत कमालूर, एक आदिवासी बाहुल्य गांव है। यहां ज्यादातर परिवार खेती और मजदूरी पर निर्भर हैं। इसी गांव की 28 वर्षीय अनिता पेड़ो को कम उम्र में ही जिंदगी की कठिनाइयों का सामना करना पड़ गया था। माता-पिता के निधन के बाद दो छोटे भाइयों और दो बहनों की जिम्मेदारी उनके

कंधों पर आ गई। परिवार चलाने के लिए उन्होंने खेतों में काम किया, मजदूरी की और हर मुश्किल परिस्थिति से संघर्ष करती रहीं। आर्थिक तंगी इतनी थी कि दो वक्त की रोटी जुटाना भी चुनौती था। ऐसे हालात में पक्का मकान कभी न पूरा होने वाले सपने जैसा था। परिवार एक कच्चे छप्पर वाले घर में रहता था, बरसात आने से पहले छप्पर की मरम्मत कराना जरूरी होता था, लेकिन सीमित आय के कारण यह भी संभव नहीं हो पाता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनका चयन हुआ और शासन द्वारा 1 लाख 20 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई। इस राशि से उनका पक्का मकान तैयार हुआ, जिसने उनके परिवार को नया जीवन दे दिया। आज अनिता अपने भाई-बहनों के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में रह रही हैं। वे कहतीं हैं कि अब पक्के घर में रहने से परिवार को सुरक्षा और सुकून मिला है। उनके चेहरे की मुस्कान इस बात की गवाही देती है कि एक घर सिर्फ ईंट और सीमेंट से नहीं बनता, बल्कि वह उम्मीद, सम्मान और आत्मविश्वास का आधार भी होता है।

अनिता का मानना हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना उनके जैसे गरीब परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह बदलाव ग्रामीण जीवन में आए सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की भी तस्वीर पेश करता है।

सुशासन तिहार में बुजुर्गों को मिला सम्मान इलाज के लिए बने आयुष्मान वय वंदन कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर बुजुर्गों के लिए राहत और सम्मान का माध्यम बनते जा रहे हैं। बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बचरा में मंगलवार को आयोजित शिविर में बुजुर्ग दंपत्ति जय मंगल सिंह एवं जीरो बाई को आयुष्मान वय वंदन कार्ड प्रदान किया गया। साथ ही उन्हें बुढ़ापे में सहारे के लिए छड़ी भी उपलब्ध कराई गई। करीब 80 वर्षीय जय मंगल सिंह और लगभग 72 वर्षीय जीरो बाई ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर में आना उनके लिए बेहद सुखद अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि आयुष्मान वय वंदन कार्ड मिलने से अब

उन्हें इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और आवश्यकता पड़ने पर 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार मिल सकेगा। बुजुर्ग दंपत्ति ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ यदि सहजता और सरलता से आम लोगों तक पहुंचे, तो यही वास्तविक सुशासन है।

समाधान शिविर में मिनटों में बना आयुष्मान कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। गांव के चौपाल में लग रहे समाधान शिविर इस बार सिर्फ सरकारी औपचारिकता नहीं, बल्कि लोगों की उम्मीदों का केंद्र बन गए है। जैजैपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत रायपुरा में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के समाधान शिविर में उस वक्त एक भावुक पल देखने को मिला, जब गांव की रहने वाली निर्मला साहू को मौके पर ही आयुष्मान कार्ड सौंपा गया। कार्ड हाथ में आते ही उनके चेहरे पर राहत और संतोष साफ दिखाई देने लगा। अब तक बीमारी और इलाज का नाम सुनते ही आर्थिक चिंता सताने लगती थी, लेकिन आयुष्मान कार्ड मिलने के बाद निर्मला साहू को भरोसा मिल गया है कि जरूरत पड़ने पर उन्हें इलाज के लिए भटकना नहीं

पड़ेगा। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब परिवार को गंभीर बीमारी की स्थिति में भी इलाज की चिंता नहीं होगी, क्योंकि योजना के तहत प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार मिल सकेगा। दरअसल, समाधान शिविर में पहुंचकर निर्मला साहू ने आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किया था। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए दस्तावेजों की जांच और आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और कुछ ही मिनट में उनका कार्ड बनाकर सौंप दिया। सरकारी व्यवस्था की इस त्वरित कार्यप्रणाली ने वहां मौजूद अन्य ग्रामीणों का भी भरोसा बढ़ाया। ग्रामीणों का कहना है कि पहले छोटी-छोटी योजनाओं का लाभ लेने के लिए कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब शासन की योजनाएं खुद गांव तक पहुंच रही हैं। यही वजह है कि समाधान शिविरों में लोगों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा मिलती है। इसमें गंभीर बीमारियों के उपचार को भी शामिल किया गया है। ऐसे में यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है। सुशासन तिहार 2026 के तहत लगाए जा रहे समाधान शिविर अब केवल शिकायतों के निराकरण तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि वे शासन और जनता के बीच भरोसे का मजबूत माध्यम बनते जा रहे हैं। गांव-गांव पहुंच रही सरकारी योजनाएं अब लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव की कहानी लिख रही हैं।

जल संरक्षण का संदेश दे रहे आंगनबाड़ी के नन्हे कदम

रायपुर। भीषण गर्मी के बीच बस्तर जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में नौनिहालों ने जल संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली का ऐसा संदेश दिया, जो समाज के लिए प्रेरणादायी बन गया है।

जिले के 126 आंगनबाड़ी केंद्रों में 'तितली' संस्था के सहयोग से आयोजित विशेष गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को पानी के महत्व, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस अभिनव पहल में बच्चों को पारंपरिक तरीके से समझाने के बजाय खेल, संवाद और रचनात्मक गतिविधियों के जरिए यह बताया गया कि गर्मी के मौसम में शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए पर्याप्त पानी पीना कितना जरूरी है।

गंगालूर जनसमस्या निवारण शिविर में उमड़ा जनसैलाब, सुशासन की पहुंच हुई और भी सुगम

103 हितग्राहियों को वनाधिकार पत्र वितरित, बस्तर मुन्ने अभियान से घर-घर पहुंच रही सुविधाएं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में 1 मई 2026 से शुरू हुआ श्बस्तर मुन्नेश् (अग्रणी बस्तर) अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की एक नई इबारत लिख रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सुदूर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के हर पात्र परिवार तक सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना है।

सुशासन तिहार के अंतर्गत बीजापुर जिले के गंगालूर में आयोजित विशाल जनसमस्या निवारण शिविर ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हुआ। इस शिविर में गंगालूर सहित डोडीतुमनार, गमपुर, पीड़िया, और मेटापाल जैसे दूरस्थ गांवों के हजारों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। शिविर की सफलता शासन-प्रशासन के प्रति आम जनता के बढ़ते अटूट विश्वास का प्रमाण बनी।

मौके पर निराकरण और त्वरित निर्देश: कलेक्टर बीजापुर विश्वदीप ने सभी विभागीय स्टॉलों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने न केवल प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की, बल्कि

अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु कड़े निर्देश भी दिए। शिविर की एक बड़ी उपलब्धि ऑन-द-स्पॉट लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की सुविधा रही, जिसके लिए कलेक्टर ने विशेष पहल की। अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे शासन की योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार का मूल ध्येय केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे जागरूक बनें और विभागीय स्टॉलों के माध्यम से योजनाओं की पूरी जानकारी प्राप्त करें।

बस्तर मुन्ने अभियान दहलीज पर प्रशासन: प्रशासन की संवेदनशीलता को रेखांकित करते हुए बताया गया कि बस्तर मुन्ने (अग्रणी बस्तर) अभियान के माध्यम से अब राशन कार्ड, आधार कार्ड और आयुष्मान कार्ड जैसे आवश्यक दस्तावेज बनाने के लिए ग्रामीणों को भटकना नहीं पड़ेगा; प्रशासन स्वयं गांव-गांव पहुंचकर इन्हें तैयार कर रहा है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन और पीएम किसान जैसी योजनाओं की राशि सीधे बैंक खातों में भेजी जा रही है। जिन ग्रामीणों के बैंक खाते नहीं खुले हैं, उनके खाते खुलवाने हेतु शिविर में विशेष काउंटर लगाए गए। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने ग्रामीणों से अपील की कि वे मुख्यधारा की योजनाओं से जुड़ें और क्षेत्र के विकास में प्रशासन का सक्रिय सहयोग करें। शिविर में बड़ी संख्या में हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। वनाधिकार पत्र 103 हितग्राहियों को व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र प्रदान किए गए। नक्सल प्रभावित दो परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नए घर की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी गई। 28 श्रम कार्ड, नए राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र और मृदा परीक्षण कार्ड वितरित किए गए।

गेंदा की खेती से बढ़ी आय और बनी नई पहचान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कभी पारंपरिक धान की खेती में सीमित आय और बढ़ती लागत से जूझने वाले महासमुंद जिले के किसान गितेश्वर टण्डन आज अपनी मेहनत, नई सोच और आधुनिक खेती के दम पर क्षेत्र में नई पहचान बना चुके हैं। उनके खेतों में खिले गेंदा फूल अब सिर्फ खुशबू ही नहीं फैला रहे, बल्कि समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई कहानी भी लिख रहे हैं। महासमुंद विकासखंड के ग्राम फूलवारी (बावनकेरा) निवासी प्रगतिशील कृषक गितेश्वर टण्डन पहले पारंपरिक तरीके से धान की खेती करते थे। मौसम की अनिश्चितता, खेती की बढ़ती लागत और अपेक्षाकृत कम लाभ के कारण उन्हें मेहनत के अनुरूप आमदनी नहीं मिल पा रही थी। खेती से परिवार का गुजारा तो हो रहा था, लेकिन आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं आ पा रहा था। इसी बीच उन्होंने समय के साथ खेती में बदलाव लाने का निर्णय लिया। वर्ष 2025-26 में उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत पुष्प क्षेत्र विस्तार-गेंदा योजना का लाभ उठाया। उद्यानिकी विभाग से पौध सामग्री प्राप्त होने के बाद उन्होंने करीब दो एकड़

भूमि में आधुनिक तकनीक के साथ गेंदा फूल की खेती शुरू की। यही फैसला उनके जीवन का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। आज गितेश्वर टण्डन लगभग 50 क्विंटल गेंदा फूल का उत्पादन कर चुके हैं। उनके खेतों में तैयार फूल महासमुंद और रायपुर की मंडियों तक पहुंच रहे हैं, जहां उन्हें अच्छा बाजार मूल्य मिल रहा है। जिस भूमि से पहले धान की खेती में लगभग 25 हजार रुपये प्रति एकड़ तक लाभ होता था, वहीं अब गेंदा खेती से उन्हें करीब 64 हजार रुपये प्रति एकड़ तक की आय प्राप्त हो रही है। गितेश्वर की सफलता केवल आर्थिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बदलती सोच और नवाचार की प्रेरणादायक मिसाल भी बन गई है। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि यदि किसान आधुनिक तकनीकों और शासकीय योजनाओं का सही तरीके से उपयोग करें, तो खेती को लाभकारी व्यवसाय में बदला जा सकता है। अब उनके गांव और आसपास के क्षेत्रों के कई किसान भी पारंपरिक खेती के साथ उद्यानिकी फसलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। गितेश्वर टण्डन आज क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। उनकी सफलता की खुशबू अब खेतों से निकलकर पूरे इलाके में फैल रही है।

सुशासन तिहार 2026 के तहत चुइया में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित'

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में संचालित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनपद पंचायत कोरबा के ग्राम चुइया में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई गई। शिविर में 1114 आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें से 370 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। सुशासन तिहार शिविर में अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य रेणुका राठिया, जनपद अध्यक्ष बीजमती राठिया, जनपद अध्यक्ष कौशल्या देवी, हरिशंकर यादव, कुंती चन्द्रा सहित अन्य जन प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में प्रदेश में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान में दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण आसान हो गया है। शिविर में सभी अधिकारियों की उपस्थिति रहती है। इसके अलावा जरूरतमंद हितग्राहियों को शासन की योजनाओं के तहत लाभान्वित भी किया जा रहा है। शिविर में सभी विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाए गए, जहां विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शासन की योजनाओं, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं लाभ संबंधी विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को प्रदान की।

दफ्तरों की भागदौड़ पर लगा ब्रेक, सिंगल विंडो ने कम की दूरी

मुचाकी देवे की मुस्कान ने बयां की बदलाव की कहानी, तत्काल मिला राशन कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जिला प्रशासन की एक संवेदनशील पहल ने सुकमा के दूरस्थ अंचलों में रहने वाले ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली की नई रोशनी बिखेरी है। कलेक्ट्रेट परिसर में नवनिर्मित सिंगल विंडो कक्ष केवल एक सरकारी व्यवस्था नहीं, बल्कि आमजन के भरोसे का केंद्र बन गया है। प्रभारी मंत्री केदार कश्यप द्वारा उद्घाटित इस व्यवस्था ने प्रशासनिक पेचीदगियों को खत्म कर दिया है, जिससे अब ग्रामीणों को अपने जरूरी दस्तावेजों के लिए अलग-अलग दफ्तरों की खाक नहीं छाननी पड़ रही है।

प्रशासनिक संवेदनशीलता का सबसे भावुक दृश्य तब देखने को मिला जब पुनर्वास केंद्र से आई मुचाकी देवे जैसे हितग्राहियों के हाथों में तुरंत राशन कार्ड थमाया गया।

मुचाकी देवे की आंखों में खुशी की चमक साफ देखी जा सकती थी। उन्होंने बताया कि पहले राशन कार्ड या सरकारी पहचान पत्रों के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था, लेकिन यहाँ एक ही छत के नीचे उनका काम मिनटों में हो गया। उनके साथ आए 11 अन्य पुनर्वासित नागरिकों को भी आधार कार्ड, वोटर आईडी और आयुष्मान कार्ड जैसी सेवाएं तुरंत उपलब्ध कराई गई।

कलेक्टर अमित कुमार के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने इस नवाचार के जरिए पारदर्शिता और गति का नया मानक स्थापित किया है। जिला मुख्यालय से 41 किमी दूर मेकावाया जैसे सुदूर गांव से आई कवासी रेशमा इस बदलाव की प्रत्यक्ष गवाह हैं। रेशमा ने बताया कि अपने परिवार का नाम राशन कार्ड में जुड़वाने के लिए उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। वहाँ मौजूद स्टाफ न केवल फॉर्म भरने में मदद करता है, बल्कि दस्तावेज तैयार होने तक पूरी आत्मीयता से मार्गदर्शन भी देता है।

कलेक्टर अमित कुमार ने बताया कि हमारा मुख्य उद्देश्य जिले की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाना है। सिंगल विंडो की यह पहल इसी दिशा में एक बड़ा कदम है, ताकि सुदूर वनांचलों से आने वाले ग्रामीणों को अपने बुनियादी दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और आयुष्मान कार्ड के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। अब एक ही छत के नीचे सभी महत्वपूर्ण हितग्राहीमूलक सेवाएं उपलब्ध होने से न केवल ग्रामीणों के समय की बचत हो रही है, बल्कि उन्हें त्वरित न्याय और सुविधा भी मिल रही है।

यह सिंगल विंडो सिस्टम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन के संकल्प को धरातल पर उतार रहा है। आंकड़े बताते हैं कि मंगलवार को ही लगभग 67 आवेदनों का निराकरण किया गया, जबकि 16 मार्च से अब तक 3620 नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा चुके हैं। ड्राइविंग लाइसेंस से लेकर जन्म प्रमाणपत्र और श्रम कार्ड से लेकर निवास प्रमाण पत्र तक, एक ही कक्ष में मिल रही इन सुविधाओं ने ग्रामीणों के समय और पैसे, दोनों की बचत की है। सुकमा का यह सिंगल विंडो मॉडल राज्य के लिए जनसेवा की एक मिसाल बन गया है। जहाँ पहले कलेक्ट्रेट के चक्कर काटना ग्रामीणों के लिए थकान और निराशा का सबब होता था, वहीं अब चेहरे पर मुस्कान और हाथ में जरूरी दस्तावेज लेकर लौटते हितग्राही इस पहल की सफलता की कहानी खुद बयां कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा